सांध्य दैनिक
भारत मत
Web : www.bharatmatepaper.com
ग्वालियर भोपाल
अधि. 44.0 अधि. 42.0
न्यून. 32.0 न्यून. 30.0
▪ग्वालियर ▪भोपाल ▪झाँसी से एक साथ प्रकाशित
ग्वालियर, मंगलवार 26 मई 2026 ज्येष्ठ शुक्लपक्ष-11, संवत 2083, वर्ष-31 अंक-75 कुल पृष्ठ-8
मूल्य-₹ 2.00
Email: editorbharatmat@gmail.com

अब तक 6 रुपए इज़ाफा

CNG 2 रुपए तक महंगी, दिल्ली में कीमत 83.09 रुपए किलो: इस महीने चौथी बार दाम बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान जंग के बीच कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी छ्हत्र के दाम पिछले दो हफ्तों के भीतर चौथी बार बढ़ गए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) ने आज मंगलवार 26 मई को CNG ?2 प्रति किलोग्राम महंगी कर दी है। दिल्ली-NCR सहित कई शहरों में ये दाम बढ़ाए गए हैं। दिल्ली में छ्हत्र 81.09 रुपए प्रति किलो से बढ़कर अब 83.09 रुपए प्रति किलो हो गई है।

नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में छ्हत्र के लिए 91.70 देने होंगे। गुरुग्राम में CNG की कीमत बढ़कर 88.12 प्रति किलोग्राम कर दी गई है।

पेट्रोल-डीजल के दाम महीने में चौथी बार बढ़े

तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 रुपए और डीजल 2.71 रुपए प्रति लीटर महंगा कर दिया। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपए और डीजल की कीमत 95.20 रुपए हो गई है।

पेट्रोल-डीजल और CNG की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दामों बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रही है तो पेट्रोल-डीजल और CNG की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

सीएनजी क्या है और यह कैसे बनती है?

सीएनजी का पूरा नाम कंप्रेस्ड नेचुरल गैस है। यह मुख्य रूप से मीथेन गैस से बनती है और पेट्रोल-डीजल के मुकाबले बहुत कम प्रदूषण फैलाती है। यह गैस जमीन के नीचे बने तेल और गैस के कुओं से प्राकृतिक रूप से निकलती है।इसके बाद फैक्ट्रियों में इसे रिफाइन करके इसकी नमी और अशुद्धियां साफ की जाती हैं। फिर इस प्राकृतिक गैस पर बहुत ज्यादा प्रेशर डाला जाता है, जिससे यह भारी गैस कम जगह में सिमट जाती है। इसी दबी हुई गैस को सिलेंडरों में भरकर गाड़ियों में ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

ओडिशा में हादसा

सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण 6 लोगों की मौत

अनुगुल, एजेंसी

ओडिशा के कालाहांडी जिले के एम. रामपुर क्षेत्र में मंगलवार को एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। गौड़ कार्लाखुंटा गांव में निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के भीतर सेंटरिंग हटाने के दौरान दम घुटने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर गंभीर हालत में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।जानकारी के अनुसार, मृतकों में गौड़ कार्लाखुंटा गांव के सेप्टिक टैंक ठेकेदार निमाई पाल (48), उनका पुत्र आकाश पाल (28), मजदूर आदल माझी (55), मातोगांडा गांव के मनोरंजन हाती (27), तथा दुतागांव के छंदा जाला और बिपुल जाला शामिल हैं। हादसे में हातीखोला गांव के पंकज जानी (32) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार जारी है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण हुआ हादसा: स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माणाधीन शौचालय के सेप्टिक टैंक के भीतर मजदूर सेंटरिंग सामग्री निकालने के लिए उतरे थे। आशंका जताई जा रही है कि टैंक के भीतर जहरीली गैस भर जाने और ऑक्सीजन की कमी के कारण वे बेहोश हो गए। अंदर गए मजदूरों को बचाने के प्रयास में एक-एक कर अन्य लोग भी टैंक में उतरते चले गए, लेकिन वे भी दम घुटने से अचेत हो गए।

यूपी का बांदा लगातार 8वें दिन 47एष्ट पार:देश में सबसे गर्म शहर

मप्र में 45 शहर हीटवेव की चपेट में, पांच में रेड अलर्ट; 28 से प्री-मानसून वाली बारिश से राहत

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के उत्तर-पश्चिम में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर में दिल्ली-हिमाचल, यूपी, दक्षिण-पश्चिम में ओडिशा और तेलंगाना भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। पश्चिम में गुजरात, महाराष्ट्र और सेंट्रल इंडिया में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के एमपी से लगा हिस्सा और छत्तीसगढ़ में गर्मी का सबसे खतरनाक दौर चल रहा है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को यूपी के बांदा और विदर्भ का ब्रह्मपुरी में सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां लगातार 8वें दिन 47°C से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। छतरपुर का खजुराहो 47.2°C के साथ तीसरे नंबर पर और नौगांव 46.8°C के साथ चौथा सबसे गर्म शहर रहा। बढ़ती गर्मी के कारण पंजाब सरकार ने सरकारी दफ्तरों और स्कूलों का समय बदल दिया है। सरकारी स्कूल और दफ्तर सुबह साढ़े 7 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक खुलेंगे। चंडीगढ़ के स्कूलों में समर कैंपों में आउटडोर एक्टिविटी पर रोक लगा दी गई है। बात मानसून की करें तो यह पिछले तीन दिन से केरल के तट से 30-35 किमी दूर अटका है। केरल के तटीय इलाके, तमिलनाडु और कर्नाटक में बारिश हो रही है। लेकिन, मानसून आने की सभी शर्तें पूरी नहीं हो पा रहीं।

- छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र में हीटवेव चलने की आशंका।
- बिहार, केरलम, असम, मेघालय में भारी बारिश का अलर्ट है। 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलेंगी।
- आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और बिजली चमकने के साथ बारिश हो सकती है।

28 मई

- छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना और यूपी में हीटवेव का अलर्ट है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में गर्मी रहेगी। गुजरात और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है।
- हरियाणा, चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब में ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान का अलर्ट।
- बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, यूपी समेत कई राज्यों में 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना।
- . **राजस्थान:** 19 जिलों में लू की चेतावनी, कोटा सबसे गर्म, जयपुर में रेगिस्तानी इलाकों से ज्यादा गर्मी

अगले दो दिन देखभर में मौसम का हाल

नौतपा के पहले दिन जयपुर, कोटा, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर समेत कई जिलों में तेज गर्मी रही। कोटा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। जयपुर में सोमवार को बाड़मेर, जोधपुर से भी ज्यादा गर्मी रही। 19 जिलों में आज हीटवेव का ऑरेंज और यलो अलर्ट है। 16 जिलों में धूलभरी हवा चलने और ओले-बारिश का यलो अलर्ट है। पढ़ें पूरी खबरज

- **3. उत्तर प्रदेश:** अयोध्या-उन्नाव में देर रात आंधी-बारिश, लखनऊ में 90 की स्पीड से चली आंधी: नौतपा के पहले दिन मौसम में बड़ा बदलाव आया। दिनभर हीटवेव चली, वहीं लखनऊ में देर रात करीब 90द्मद्वश्चद्व की रफ्तार से आंधी चली। बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 47.6एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज तीन जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है।
- **हरियाणा: 46.2एष्ट तक पहुंचा पारा, सिरसा सबसे गर्म; 17 जिलों में हीटवेव का रेड अलर्ट:** सोमवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान सिरसा में 46.2एष्ट रिकॉर्ड किया गया। महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, गुरुग्राम समेत 17 जिलों में आज लू का रेड अलर्ट है। हालांकि पश्चिमी विक्षोभ और राजस्थान के ऊपर बनने वाले साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण 29 मई से मौसम में बदलाव शुरू होगा।
- **5. हिमाचल प्रदेश:** 6 जिलों में हीटवेव का अलर्ट; ऊना में पारा 41.6C पहुंचा, 28-29 से ओलावृष्टि-तूफान का ऑरेंज अलर्ट: प्रदेश में अगले 48 घंटे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने हीटवेव को लेकर चेतावनी जारी की है। तापमान में 4एष्ट तक बढ़ोतरी होने की आशंका है। 28 मई से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने की संभावना है, जिससे भीषण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। पढ़ें पूरी खबरज

6. **बिहार:** सीजन में पहली बार पारा 46°C पहुंचा; खगड़िया-कटिहार में बारिश, भागलपुर में आंधी से हॉस्पिटल के दरवाजे-खिड़कियां टूटीं: प्रदेश में दो तरह का मौसम है। दक्षिण बिहार के कई इलाके में गर्मी का दौर है। इस सीजन पहली बार तापमान 46एष्ट रिकॉर्ड किया गया है। दूसरी ओर उत्तर और पूर्वी बिहार में आंधी-बारिश की संभावना है। भागलपुर में सोमवार देर शाम आई आंधी से मायागंज हॉस्पिटल को नुकसान हुआ है। सर्जरी वार्ड में खिड़कियां-दरवाजे टूट गए।
7. **छत्तीसगढ़:** 20 जिलों में हीटवेव, रायपुर में पारा 45.7एष्ट, राजनांदगांव सबसे गर्म; आंधी-बारिश की भी संभावना: प्रदेश के 20 जिलों में अगले 3 दिन तक हीटवेव का अलर्ट है। 26 से 28 मई तक राज्य के मध्य और दक्षिण के कुछ इलाके लू से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। इसी बीच आंधी-बारिश की भी संभावना है। राजनांदगांव सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 46.5एष्ट दर्ज किया गया।

बिहार विधान परिषद चुनाव का एलान

10 सीटों पर 18 जून को वोटिंग; नीतीश कुमार की सीट पर होगा उपचुनाव

पटना, एजेंसी

बिहार विधान परिषद की 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग ने जारी कर दिया है। इसके अलावा एक सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। राज्?यसभा सदस्य बनने के बाद पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया था। इसके अनुसार 29 जून 2026 को 9 एमएलसी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून तय की गई है। 9 जून को नामांकन प्रपत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी। 11 जून तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 18 जून को सुबह 9 से 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद उसी दिन मतगणना की जाएगी। 20 जून तक पूरी प्रक्रि?या समाप्?त कर ली जाएगी। एक सीट के उपचुनाव का कार्यक्रम भी 9 सीटों के चुनाव के अनुसार ही होना तय किया गया है। इस सीट पर निर्वाचित होने वाले सदस्य का कार्यकाल 6 मार्च 2030 तक रहेगा।

राहुल के खिलाफ मानहानि का परिवाद दर्ज, मोदी और शाह पर टिप्पणी का मामला

रायबरेली। नेता प्रतिपक्ष लोकसभा व सांसद द्वारा प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को लेकर दिए गए बयान से भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोष बढ़ता जा रहा है। प्रगति पुरम निवासी भाजपा कार्यकर्ता व अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर किया।

उनके द्वारा न्यायालय को अवगत कराया गया कि नेता प्रतिपक्ष ने 20 मई को डीह के लोधवारी गांव में जनसभा में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह गृहमंत्री अमित शाह आदि के खिलाफ अभद्र व मानहानि कारक शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की छवि धूमिल हुई है। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट पंचम अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन विनयशील ने की। सुनवाई के उपरांत न्यायालय ने 15 जून की तिथि बयान के लिए नियत की है।

5 जून तक खाली करने का ऑर्डर

दिल्ली जिमखाना क्लब ने सरकार से दूसरी जगह जमीन मांगी: केंद्र ने 27.3 एकड़ जमीन वापस मांगी थी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकारी की 113 साल पुराने दिल्ली जिमखाना क्लब को लेकर बनाई गई जनरल कमेटी ने सोमवार को सरकार से अपील की है कि क्लब का कामकाज प्रभावित न किया जाए। कमेटी ने कहा कि अगर सरकार कब्जे की कार्रवाई आगे बढ़ाती है तो क्लब को दूसरी जगह जमीन दी जाए। दरअसल, लुटियंस दिल्ली स्थित ऐतिहासिक क्लब पर करीब 48 करोड़ रुपए का ग्राउंड रेंट बकाया है। लैंड एंड डेवलपमेंट

ऑफिस (रूष्ठह्र) ने सितंबर 2025, मार्च 2026 और अप्रैल 2026 में क्लब प्रबंधन को नोटिस भेजे थे।अप्रैल में जारी आखिरी नोटिस में एक हफ्ते के भीतर बकाया राशि जमा करने को कहा गया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि भुगतान नहीं होने पर क्लब की 27.3 एकड़ जमीन वापस ले ली जाएगी। इसके बाद 22 मई को क्लब को 5 जून तक कैंपस खाली करने का ऑर्डर दिया है। दिल्ली जिमखाना क्लब की स्थापना ब्रिटिश काल में हुई थी। 1913 में यह इम्पीरियल दिल्ली जिमखाना क्लब नाम से शुरू हुआ था। आजादी के बाद इसका नाम बदलकर दिल्ली जिमखाना क्लब कर दिया गया। मौजूदा भवन 1930 के

क्लब बोला- 4 साल में वित्तीय हालत सुधारी

जनरल कमेटी ने कहा कि अप्रैल 2022 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) के आदेश के बाद से वह क्लब का संचालन संभाल रही है। पिछले 4 साल में क्लब की प्रशासनिक और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। 2021-22 में क्लब को 12.39 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था, जबकि 2023-24 में 9.25 करोड़ रुपए के मुनाफे का अनुमान है।

पवन कल्याण बोले- मैं 15 साल सड़क पर घूमा

'मुझे विजय से जलन होती है', पवन कल्याण ने तमिलनाडु में TVK की जीत पर दिया बयान

नई दिल्ली, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने विजय को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया। पवन कल्याण ने कहा कि उन्हें सीएम विजय को देखकर जलन होती है। पवन कल्याण ने कहा कि उन्हें इतनी जल्दी सफलता मिल गई, जबकि मैं तो 15 साल तक सड़क पर घूमता रहा। दरअसल पवन कल्याण सोमवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने अपने 15 साल की

राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए मजाकिया लहजे में कहा, मैं आजकल तमिलनाडु की राजनीति को देखता हूं। उन्होंने यह सब कितनी बेफिक्री से किया है। मुझे जलन हुई। उन्होंने कटआउट और होलोग्राम का इस्तेमाल करके खुशी-खुशी जीत हासिल कर ली। पवन कल्याण ने आगे कहा, %मैं तो पंद्रह साल से सड़कों पर ही घूम रहा हूं। एक राजनीतिक पार्टी चलाना मतलब लाखों लोगों को एक साथ लाना होता है। हम तो अपने ही परिवार के सदस्यों को एक बात पर राजी नहीं कर पाते।दरअसल विजय और पवन कल्याण दोनों ही अभिनय की दुनिया से राजनीति में आए थे।

2014 में बनाई थी पार्टी

वहीं पवन कल्याण ने 2014 में अपनी जनसेना पार्टी की स्थापना की थी। लेकिन 2019 में आंध्र प्रदेश में जब उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा, तो सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। पवन कल्याण खुद दोनों सीटों से चुनाव हार गए। हालांकि उन्होंने बाद में अपने संगठन को और मजबूत किया और भाजपा व तेलुगु देशम पार्टी के साथ गठबंधन कर 2024 के चुनाव में सभी 21 सीटों पर जीत हासिल की। इस चुनाव में पवन कल्याण ने पिठापुरम सीट से 70 हजार से ज्यादा वोट से जीत दर्ज की थी।

ममता को एक और झटका! : दल बदल कानून से बचने के लिए 20 सांसदों का समर्थन जरूरी

TMC में बड़ी टूट की आशंका, 12 सांसदों के भाजपा में शामिल होने की चर्चा

कोलकाता, एजेंसी

बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में अंदरूनी संकट और बढ़ता दिख रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि लोकसभा में तृणमूल के कई सांसद भाजपा के संपर्क में हैं और उनमें से एक बड़ा समूह पार्टी छोड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा में तृणमूल के कुल 29 सांसदों में से करीब 12 सांसद भाजपा में शामिल होने या समर्थन देने की योजना बना चुके हैं। इसके अलावा पांच-छह अन्य सांसदों से भी बातचीत चल रही है। बताया जा

रहा है कि दल-बदल विरोधी कानून से बचने के लिए कम से कम 19-20 सांसदों को एक साथ लाने की रणनीति बनाई जा रही है। राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि तृणमूल नेतृत्व को भी इस संभावित टूट की भनक लग चुकी है और पार्टी को एकजुट रखने की कोशिशें शुरू हो गई हैं।चर्चा है कि इनमें पूर्व मुख्यमंत्री व टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और उनके भतीजे तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाले कुछ सांसद भी शामिल हैं। भाजपा के लिए यह राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

भाजपा की नजर राज्यसभा में तृणमूल के सांसदों पर भी

लोकसभा में भाजपा के पास अभी 240 सांसद हैं और सरकार सहयोगी दलों के समर्थन से चल रही है। ऐसे में यदि तृणमूल के सांसद बड़ी संख्या में भाजपा के साथ आते हैं तो पार्टी की ताकत और बढ़ जाएगी तथा सहयोगियों पर निर्भरता कम होगी। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा के बाद भाजपा की नजर राज्यसभा में तृणमूल के सांसदों पर भी है। तृणमूल के भीतर आइपैक की भूमिका और संगठनात्मक शैली को लेकर असंतोष की भी चर्चा है। हालांकि इन तमाम दावों पर अभी तक किसी पक्ष की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सिद्धारमैया बोले- हाईकमान ने बुलाया है, इसलिए आया हूं

कर्नाटक मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की आज राहुल-खड़गे के साथ मीटिंग: मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें

बेंगलूरु, एजेंसी

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डीप्टी सीएम डीके शिवकुमार आज सुबह 11 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के साथ बैठक करेंगे। राज्य में मुख्यमंत्री और कैबिनेट में बदलाव की चर्चाओं के बीच दोनों सोमवार रात को दिल्ली पहुंचे।सिद्धारमैया के साथ कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर भी थे। दिल्ली पहुंचने के बाद सिद्धारमैया ने कहा- हाईकमान ने बुलाया है, इसलिए आया हूं। बैठक का एजेंडा क्या है, इसकी जानकारी मुझे नहीं है।

भाजपा बोली- खड़गे नाम के अध्यक्ष

कर्नाटक सरकार में मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि दिल्ली में होने वाली बैठक का मकसद पार्टी के अंदर चल रहे मुद्दों को सुलझाना है। कांग्रेस कार्यकर्ता गृह मंत्री जी परमेश्वर के समर्थन में भी आवाज उठा रहे हैं। इससे पार्टी के अंदर शक्ति संतुलन की चर्चा और तेज हो गई है। इससे पहले सोमवार को जब खड़गे से कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा- मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। राहुल जी बोलेंगे।खड़गे के इसी बयान को लेकर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष केवल नाम के अध्यक्ष हैं और पार्टी रिमोट कंट्रोल से चल रही है। इतने बड़े मुद्दे पर खड़गे कह रहे हैं कि राहुल गांधी जवाब देंगे। इससे साफ है कि असली ताकत किसके पास है। पूनावाला ने कांग्रेस पर आंतरिक कलह का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी में केरल, हिमाचल और अब कर्नाटक में भी सत्ता संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस को जनता से ज्यादा कुर्सी की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में नवीन वक़्फ़ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड को मिली कानूनी और प्रशासनिक मजबूती

वक़्फ़ संशोधन अधिनियम से बदली म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड की तकदीर और तस्वीर

- नवीन अधिनियम से हुए परिवर्तनकारी कार्यों ने समाज को दी नई दिशा
- 1500 से अधिक विद्यार्थियों को स्कूल ड्राप आउट से बचाया
- वक़्फ़ की जमीनों पर पांच लाख पौधरोपण का लक्ष्य
- वक़्फ़ बोर्ड को हानि पहुंचाने वाले प्रबंधकों के विरुद्ध 41 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली के नोटिस जारी
- वक़्फ़ संपतियों को पोर्टल पर दर्ज कराने में म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड को मिला स्कॉच अवार्ड
- वक़्फ़ संपतियों के संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन और जनहित में हुई ऐतिहासिक और प्रभावी कार्यवाही
- वक़्फ़ माफियाओं, दागदार प्रबंधकों और अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध चला अभियान
- नये आयामों को गढ़ता म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड-आगे बढ़ता मध्यप्रदेश
- मुख्यमंत्री 849 मेधावी विद्यार्थियों को स्कालरशिप प्रदान कर, करेंगे सम्मानित

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश वक़्फ़ बोर्ड ने नवीन वक़्फ़ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से वक़्फ़ संपत्तियों के संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन और जनहित में उनका उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक और प्रभावी कार्रवाई की है। वक़्फ़ बोर्ड की संपत्तियों से वर्षों से अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया और भौतिक सत्यापन के बाद जरुरतमंद लोगों को संपत्ति के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया। वक़्फ़ बोर्ड की आय कैसे बड़े इस पर अन्य राज्यों की वफ्फ समितियां से चर्चा कर, राजस्व बढ़ाने के लिए कार्य किया गया। भारत सरकार द्वारा वक़्फ़ संपतियों का लेखा-जोखा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने में म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। परिणामस्वरूप म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड को स्कॉच अवार्ड से नवाजा गया।

नवीन वक्फ अधिनियम के बाद समाज के बेटा-बेटियों के लिए खुली हैं नई राहें

म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि देश में वक़्फ़ संशोधन कानून लागू होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड ने कानून के मंशानुरूप कई समाजिक परिवर्तनकारी कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज को नई दिशा दी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की इच्छा शक्ति के परिणामस्वरूप 1552 बेटा-बेटियों को ड्रॉप आउट होने से बचाया गया। वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें, इसके लिए समुचित रुप से आर्थिक सहायता की व्यवस्था भी की गई, नवीन वक्फ अधिनियम के बाद समाज के बेटा-बेटियों के लिए नई राहें खुली है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 25 मई को रवीन्द्र भवन में भोपाल जिले के 849 मेधावी बेटा-बेटियों को स्कॉलरशिप प्रदान कर सम्मानित करेंगे। यह शुरुआत है, वक़्फ़ बोर्ड मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह बेटा-बेटियों को स्कॉलरशिप देकर सम्मानित करेगा। मध्यप्रदेश वक़्फ़ बोर्ड द्वारा 'पढ़ो पढ़ाओ - राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनों' जैसे नवाचार की चर्चा के बाद मध्यप्रदेश वक़्फ़ बोर्ड की योजनाओं और कार्य करने की शैली को समझने के लिए अनेक राज्यों द्वारा अपने अधिकारी- कर्मचारियों को मध्यप्रदेश वक़्फ़ बोर्ड के कार्यालय में भेजा जा रहा है।

वक़्फ़ संपत्तियां स्वच्छ और जवाबदेह प्रबंधन को सौंपने के लिए उठाए गए निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में नवीन वक़्फ़ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश वक़्फ़ बोर्ड को कानूनी एवं प्रशासनिक मजबूती प्राप्त हुई। वक़्फ़ माफियाओं, दागदार प्रबंधकों और अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध कठोर अभियान चलाया गया। वक़्फ़ संपत्तियों को दागदार हाथों से मुक्त कर स्वच्छ और जवाबदेह प्रबंधन को सौंपने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए। समानांतर वक़्फ़ बोर्ड चलाकर वक़्फ़ संपत्तियों को हानि पहुँचाने वाले तत्वों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई। वक़्फ़ को हानि पहुँचाने वाले प्रबंधकों के विरुद्ध कुल 41 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली के लिए आरआरसी/वसूली नोटिस जारी किए गए और वसूली की कार्यवाही भी की गई। इस क्रम में वक़्फ़ यतीमखाना शाहजहांनी, भोपाल के प्रबंधक को 28 करोड़ 96 लाख रुपये का वसूली नोटिस जारी किया गया, जो देश के वक़्फ़ इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा वसूली नोटिस माना जा रहा है। वक़्फ़ मदर गेट उज्जैन के प्रबंधन के विरुद्ध 7 करोड़ 21 लाख रुपये की वसूली के लिए कार्रवाई की गई। वक़्फ़ जामा मस्जिद, बीना बजरिया सागर के प्रबंधकों के विरुद्ध 1 करोड़ 84 लाख रुपये की वसूली का नोटिस जारी कर कार्यवाही की गई। वक़्फ़ बड़वाली चौकी, इंदौर प्रकरण में 1 करोड़ 24 लाख रुपये की वसूली की कार्रवाई की गई।

इसी क्रम में वक़्फ़ हिंदू अनाथालय, भोपाल के प्रबंधन पर 1 करोड़ 5 लाख रुपये की वसूली के लिए आरआरसी जारी की गई। वक़्फ़ अंजुमन इस्लामिया, जबलपुर के पूर्व अध्यक्ष प्यारे साहब द्वारा वक़्फ़ को पहुँचाई गई 81 लाख 43 हजार रुपये की हानि की वसूली के लिए भी नोटिस जारी किया गया। इन कार्यवाहियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नवीन वक़्फ़ बोर्ड वक़्फ़ संपत्तियों की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। वक़्फ़ को हानि पहुँचाने वाले किसी भी व्यक्ति, माफिया या दागदार प्रबंधन के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई निरंतर जारी है।

अब सभी वक़्फ़ संपत्तियां दर्ज है ऑनलाइन

केन्द्र सरकार द्वारा नये संशोधन कानून से वक़्फ़ संपतियों पर बैठे कब्जाधारियों को भी सोचने पर मजबूर होना पड़ा है। सभी संपत्तियां ऑनलाइन दर्ज है, इस कारण कहीं कोई गड़बड़ी नहीं कर सकता, इस बात की दहशत भी वक़्फ़ माफियाओं में देखने को मिली है। वक़्फ़ संपतियों के डिजिटलीकरण के परिणामस्वरूप पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। इससे अनैतिक गतिविधियां करने वाले हतोत्साहित हुए। कृषि भूमियों की समय पर नीलामी की गई, जिससे राजस्व में वृद्धि हुई और इनका परिणाम आज सबसे सामने है। समाज के हर वर्ग में इसकी सराहना हो रही है।

म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड के इतिहास में पहली बार हुआ पौधरोपण का निर्णय

म.प्र. वक़्फ़ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि इस वर्ष मध्यप्रदेश वक़्फ़ बोर्ड के इतिहास में पहली बार यह निर्णय लिया गया है कि वक़्फ़ बोर्ड की निगरानी में पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में वक़्फ़ बोर्ड की जमीनों पर पांच लाख पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है। समाज के हर वर्ग और प्रत्येक व्यक्ति से अपने पूर्वजों के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाने का अनुरोध किया जा रहा है। पौध-रोपण के बाद उनकी सही देखभाल के लिए जिलेवार जिम्मेदारी तय की जाएगी और अच्छा कार्य करने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

मन की शांति ही तन का योग सादृश्य...यही है आर्ट ऑफ लिविंग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

श्री श्री रविशंकर जी का 70वां जन्मोत्सव, प्रदेशवासियों की ओर से श्री श्री रविशंकर के लिए जन्मोत्सव की मंगलकामनाएं लेकर स्वयं उदयपुरा पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव, श्री श्री के जन्मोत्सव एवं आर्ट ऑफ लिविंग के स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

भोपाल, (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमने कभी दुनिया को हथियारों के बल पर जीतने की चेष्ठा नहीं की। हमने विश्वशक्ति नहीं, विश्वगुरु बनने का मार्ग चुना है। हमने हमेशा सबके सुख की कामना की है और वैश्विक कल्याण का नारा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की शांति ही तन के योग सादृश्य है। जब मन शांत होता है, तभी शरीर सही संतुलन, स्वास्थ्य और सामंजस्य में रहता है। यही आर्ट ऑफ लिविंग है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' हमारी संस्कृति का मूल है और श्री श्री रविशंकर जी इसी संदेश को पूरे विश्व में प्रसारित कर रहे हैं। श्री श्री ने दुनिया के लाखों-करोड़ों लोगों को तनाव से मुक्ति दिलाकर शांत, स्वस्थ और सुखी जीवन का मार्ग दिखाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को कर्नाटक राज्य में आर्ट ऑफ लिविंग के इंटरनेशनल सेन्टर, उदयपुरा, बैंगलुरू में श्री श्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव एवं आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने श्री श्री रविशंकर से कहा कि वे मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से उन्हें जन्मोत्सव की अनंत और अशेष मंगलकामनाएं देने स्वयं यहां (उदयपुरा) आए हैं। उन्होंने कहा कि बीते 7 दशक की श्री श्री की ऊर्जा और करुणा इस व्यस्त और उथल पुथल के दौर में भी हर दिन नई और चिरयुवा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग इस विश्व को श्री श्री की देन है। यह सेवा, साधना और शांति का परम संगम है। आर्ट ऑफ लिविंग पवित्र श्रीमद्भगवद्गीता में बताये गये निष्काम कर्मयोग और जीवन को एक उत्सव की तरह जीने की कला का सहज मार्ग है, एक नव वैश्विक स्वरूप है। उन्होंने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग सिर्फ जीवन जीने की कला नहीं, जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग ने योग, प्राणायाम, ध्यान और भारतीय संस्कृति की मूल भावना से जोड़कर लोगों को आत्मिक शांति प्रदान की है। करीब एक माह का यह आर्ट ऑफ लिविंग वैश्विक सम्मेलन वास्तव में मानवता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि जहां मन शांत होता है, वहीं समाज भी समृद्ध होता है। मुख्यमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग आध्यात्मिक संगठन को वैश्विक पुनीत सामाजिक कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप सब भारत की ध्यान, योग, साधना, मेडिटेशन, सुदर्शन क्रिया जैसी प्राचीन आध्यात्मिक परम्पराओं को पुनर्जीवित कर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का भी उत्थान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय केंद्र, बेंगलुरु आकर देवलोक जैसा आनंद प्राप्त हो रहा है। भारतीय संस्कृति में भाषाओं का गुलदस्ता है। भाषा कोई भी हो, लेकिन चेहरे के भाव से ही बहुत कुछ स्पष्ट हो जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बन गया है। गुजरात के सोमनाथ में गुरूदेव श्री श्री के आशीर्वाद से सोमनाथ उत्सव भी मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रत्येक सांस के साथ जीवन और मृत्यु साथ-साथ चलती है। दोनों परमपिता परमात्मा के हाथ में है। श्रीश्री रविशंकर जी ने 70वें जन्मदिन के अवसर पर 20 दिवसीय उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। संपूर्ण विश्व से श्रद्धालु स्वयं से साक्षात्कार करने के लिए बेंगलुरु स्थित इस केंद्र में आते हैं। हमारी संस्कृति में हमारे गुरु ही हमें अंधेरे से प्रकाश की ओर लेकर जाते हैं। हमारा जीवन यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे यानी जैसा पिंड है, वैसा ही ब्रह्मांड है की अवधारणा पर चलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य का भोजन तीन प्रकार का है। बगैर भोजन के 30 दिन तक जीवित रह सकते हैं। पानी हमें 7 दिन तक जिंदा रख सकता है। गुरुदेव श्री श्री ने हमें प्राण से परमानंद और परमानंद से परमात्मा की ओर जाने का मार्ग दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसारिक जीवन में प्रत्येक मनुष्य का जीवन नियत है। हमारा यह जीवन ऊर्जा और चेतना के साथ प्रकृति से भी जुड़ा रहे, इसके लिए श्री श्री के सभी सामाजिक सेवा प्रकल्प विशेष महत्व रखते हैं। बेंगलुरु के इस आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र में हमें सांस्कृतिक चेतना और शांति का मार्ग प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल के जय घोष के साथ गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि श्री श्री सहस्त्रायु को प्राप्त हों और दीर्घकाल तक हम सबके जीवन का मार्गदर्शन करते रहें।

कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। न्यूज फर्स्ट मीडिया हाऊस के सीईओ श्री एस. रवि कुमार एवं टीवी 9 के वरिष्ठ एंकर श्री रंगनाथ भारद्वाज ने कन्नड़ भाषा में दिये संबोधन में कहा कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर विश्व शांति के दूत हैं। आपने पूरे विश्व के लोगों को आर्ट ऑफ लिविंग के साथ-साथ आर्ट ऑफ लविंग भी सिखाया है। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला, श्रीमती जानकी शुक्ला, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, उत्तरप्रदेश के राज्यमंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह, फिल्म अभिनेता श्री जैकी श्राफ, एशियन पेंट के मालिक श्री जलस दानी भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल प्रदाय से जुड़े सभी संबंधित अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

- मुख्य सचिव श्री जैन ने ली सभी कलेक्टर, नगरीय निकाय, पंचायत, पीएचई एवं जल निगम के अधिकारियों की बैठक
- जल प्रदाय व्यवस्था से जुड़े समस्त अमले के अवकाश पर प्रतिबंध
- प्रतिदिन कलेक्टर करेंगे पेयजल उपलब्धता की समीक्षा, कंट्रोल रूम होगा स्थापित
- जल परिवहन में लगे पानी के टैंकर की निगरानी होगी सख्त, दुरूपयोग पर होगी कार्रवाई

भोपाल, (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पेयजल व्यवस्था से जुड़े सभी विभागों को पेयजल संबंधी मामलों के त्वरित निराकरण और प्रतिदिन मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिये हैं। इस क्रम में नगरीय निकाय, पंचायत, पीएचई, जल निगम आदि विभागों के पेयजल व्यवस्था से जुड़े समस्त अमले के अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया है। केवल अपरिहार्य परिस्थितियों में ही अवकाश स्वीकृत होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने रविवार को कलेक्टर्स एवं नगरीय निकाय, पंचायत, पीएचई और नगर निगम के अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। उन्होंने कलेक्टर्स से कहा है कि वे सेंट्रल कंट्रोल रूम बनाएं और पेयजल उपलब्धता के लिए

अधिकारियों की समिति बनाकर प्रतिदिन समीक्षा करें। यह सुनिश्चित करें कि टैंकर से पेयजल आवश्यकता वाले क्षेत्रों में वितरित हो और किसी भी तरह की अनियमितता नहीं हो। उन्होंने टैंकर के दुरूपयोग पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि वे जनप्रतिनिधियों से संवाद और समन्वय रखकर पेयजल की कमी वाले क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टर से कहा कि पेयजल उपलब्धता के लिये युद्ध स्तर पर काम करें। शहरी क्षेत्र की पानी की टंकियों को भरने में समानता रखें और अन्य विभागों के साथ ही ऊर्जा विभाग को भी इस पूरे प्लान में शामिल रखें। उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी नलजल योजना का विद्युत कनेक्शन न कटे। मुख्य सचिव श्री जैन ने बताया कि राज्य शासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल आदि के खनन के लिए 1500 करोड़ रूपये की राशि जारी की है और पंचायतों को संधारण कार्य के लिए 55 करोड़ रूपये की अतिरिक्त राशि भी दी गई है, जिससे पेयजल उपलब्धता में कोई असुविधा नहीं हो। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर मेकेनिज्म तैयार करें और नियमित रूप से समीक्षा करें। बैठक में नगरीय विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पीएचई, ऊर्जा और सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

दर्दनाक मौत के 12 दिन बाद ट्विशा शर्मा को नसीब हुई अंतिम विदाई

- सेकंड पीएम के बाद भदभदा विश्राम घाट पर हुआ अंतिम संस्कार
- छोटे भाई ने दी मुखाग्नि, रोते-बिलखते बेसुध हो गई मॉ
- परिजनो ने की थी अंतिम संस्कार में शामिल होने की भावुक अपील

भोपाल, (ए.)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले में कोर्ट के आदेश पर दिल्ली एम्स की टीम ने भोपाल आकर दूसरा पोस्टमार्टम किया। मौत के 12 दिन बाद परिजनो ने भोपाल के भदभदा विश्राम घाट पर ट्विशा शर्मा को अंतिम विदाई देते हुए अंतिम संस्कार किय। ट्विशा के छोटे भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। वहीं इसके पहले परिजनों ने बेटी की विदाई में शहर वासियो से भी शामिल होने की भावुक अपील की थी। ट्विशा के शव पर लाल साड़ी डाली गई जिसे देख परिजन रोते-बिलखते नजर आये और मॉ रो-रोकर बेसुध हो गई, जिन्हें परिवार वाले लगातार संभाल रहे थे।अंतिम संस्कार में रिटायर्ड सैनिक समेत कई लोग शामिल हुए। गौरतलब है कि बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए परिवार भोपाल कोर्ट से जबलपुर हाईकोर्ट तक गया। बाद में मामला सीबीआई जांच और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। इस बीच ट्विशा का शव मर्चुरी में रखा रहा।

- 4 डॉक्टरो ने 3 घंटे तक किया पीएम

ट्विशा शर्मा के शव का भोपाल एम्स में दिल्ली एम्स से आई 4 सदस्यीय मेडिकल टीम ने दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। करीब तीन घंटे तक चली इस प्रक्रिया के दौरान टीम ने कई पहलुओं की बारीकी से जांच की। पोस्टमॉर्टम होने के बाद मेडिकल टीम अपने साथ तीन बॉक्स में अपने इक्विपमेंट लेकर रवाना हो गई। पीएम से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल एम्स में ही सुरक्षित रखे गए हैं। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी। गौरतलब है कि 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

- सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। वहीं 7 दिन के पुलिस रिमांड पर चल रहे ट्विशा के पति समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। मामले में भोपाल कोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दायर किया गया है। इस पर भी सोमवार को सुनवाई होगी। गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव ने मामले की जांच सीबीआई से कराने पर सहमति दे दी है।

- परिवार ने जारी किया भावुक नोट

अंतिम संस्कार से पहले ट्विशा शर्मा के परिवार ने एक भावुक नोट जारी करते हुए बेटी के अंतिम संस्कार का समय और स्थान बताते हुए सभी शुभचिंतकों से भदभदा विश्राम घाट पहुंचकर ट्विशा को अंतिम श्रद्धांजलि देने की अपील भी की। परिवार ने कहा कि जवान बेटी को खोने का दर्द पहले ही असहनीय था, लेकिन कई दिनों तक अंतिम संस्कार का इंतजार करना उनकी पीड़ा को और बढ़ा गया। परिवार ने लिखा कि जहां सामान्यतः 13 दिन के भीतर सभी संस्कार पूरे हो जाते हैं, वहीं वे अब जाकर अपनी बेटी को अंतिम विदाई दे पा रहे हैं। परिवार ने कहा कि उन्होंने हर कानूनी प्रक्रिया में सहयोग किया है और उन्हें अब भी न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। उन्होंने निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग दोहराते हुए कहा कि सच को दबाया नहीं जा सकता। भावुक अपील में परिवार ने समाज, मीडिया, महिला संगठनों और न्यायप्रिय लोगों से इस कठिन समय में साथ खड़े रहने की बात कही।

पनपथा रेंज में रात 3 बजे घर में घुसकर किया टाइगर का हमला, महिला की मौत, चार घायल

भोपाल/उमरिया, (ए.)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा रेंज में दिल दहला देने घटना हुई। टाइगर रिजर्व से निकलकर एक टाइगर रविवार की रात्रि 3 बजे खेरवाटोला गांव पहुंचकर सोती हुई एक महिला फूल बाई पर हमला कर उसे मार डाला। महिला को बचाने घर के सदस्य और पड़ोसी आगे बढ़े तो टाइगर ने उन पर भी हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए मानपुर अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। बताया जाता है कि 3-4 सौ लोगों की भीड़ जमा हो गई है। एसडीओ दिलीप मराठा ने बताया कि भीड़ की वजह से टाइगर का रेस्क्यू नहीं कर पा रहें हैं। अब सवाल प्रबंधन पर उठ रहें हैं कि टाइगर जंगल से निकलकर गांव कैसे पहुंचा..? भोपाल से लेकर फील्ड तक पदस्थ अफसरों द्वारा कैसी मानिटरिंग हो रही है?

39 ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्धः कौशल विकास प्रशिक्षण 2026-27 के लिए 12 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन

भोपाल, (ए.)। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2026 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://mpkhadi-gramodyog.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

इस योजना के तहत प्रत्येक जिले में सामान्य रूप से 30 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें 30 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना और आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक ने पूर्व में किसी शासकीय विभाग से निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे और जिला स्तरीय समिति द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन एवं पात्रता जांच के बाद चयन किया जायेगा।

आवेदकों को अपनी रुचि के अनुसार प्राथमिकता क्रम में तीन ट्रेड चुनने होंगे। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को आवासीय प्रशिक्षण के दौरान आवास और भोजन की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण समाप्ति के बाद परीक्षा आयोजित कर ग्रेड के अनुसार छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। आवेदन करते समय समग्र आईडी, आधार नंबर और सभी दस्तावेज स्पष्ट एवं सही रूप में अपलोड करना अनिवार्य है तथा समग्र आईडी और ई-केवाईसी संबंधी निर्देशों का पालन करना होगा। अधिक जानकारी और सहायता के लिए अभ्यर्थी हेल्पलाइन नंबर 0755-2552714 पर संपर्क कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा

कौशल विकास कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कुल 39 प्रशिक्षण ट्रेड उपलब्ध कराए गए हैं। प्रशिक्षण की अवधि 15 दिन से लेकर 6 माह तक है। आवेदक अपनी रुचि के अनुसार 3 ट्रेड प्राथमिकता क्रम में चुन सकते हैं।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र

कम्प्यूटर हार्डवेयर रिपेयरिंग - 3 माह, 500 घंटे

कम्प्यूटर एकाउंट विथ टेली - 3 माह, 500 घंटे

मोबाइल रिपेयरिंग - 2 माह, 400 घंटे

डीटीपी - 3 माह, 500 घंटे

इलेक्ट्रिकल क्षेत्र

इलेक्ट्रीशियन घरेलू उपकरण - 3 माह, 600 घंटे

मोटर वायरिंग - 3 माह, 600 घंटे

इलेक्ट्रीशियन - 4 माह, 700 घंटे

इलेक्ट्रीशियन इंडस्ट्रियल - 4 माह, 700 घंटे

सोलर पैनल इंस्टालेशन 3 माह, 500 घंटे

गारमेंट्स एवं फैशन डिजाइनिंग

बेसिक सिलाई गारमेंट्स - 3 माह, 520 घंटे

फैशन डिजाइनिंग - 3 माह, 480 घंटे

हैंड एम्ब्रायडरी - 3 माह, 520 घंटे

जिग-जैग मशीन एम्ब्रायडरी - 3 माह, 680 घंटे

एडवांस फैशन डिजाइनिंग - 6 माह, 1040 घंटे

फैशन टेक्नोलॉजी - 6 माह, 1040 घंटे

ट्राउजर कटिंग, जोधपुरी जैकेट, फैब्रिक ड्रॉपिटंग जैसे ट्रेड भी शामिल हैं

निर्माण एवं अन्य पारंपरिक कौशल

प्लम्बर, राजमिस्त्री - 3 माह, 500 घंटे

बेकरी - 2 माह, 350 घंटे

अगरबत्ती निर्माण - 2 माह, 260 घंटे

कृत्रिम आभूषण निर्माण - 2 माह, 320 घंटे

जरी जरदोजी - 4 माह, 680 घंटे

लेदर एवं हैंडीक्राफ्ट

लेदर फुटवेयर, लेदर गुड्स, लेदर फुटवेयर ऑपरेटर - 3 माह, 480 से 560 घंटे

बाटिक प्रिंटिंग, टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटर - 3 माह, 500 घंटे

अन्य ट्रेड

दोना-पत्तल निर्माण - 15 दिन, 120 घंटे

मधुमक्खी पालन - 1 माह, 200 घंटे

स्पिनिंग चरखा - 1 माह, 150 घंटे

प्लेन वीविंग, एडवांस वीविंग, बेसिक वीविंग - 1 से 4 माह

रिटेल सेल एसोसिएट, असिस्टेंट फैशन सेल्स - 3 माह, 520 से 680 घंटे।

-कृषि उपज मंडी समिति लक्ष्मीगंज में धान घोटाले मामले में एक और घोटाले की स्थिति

450 ट्रकों की रसीदें मंडी कार्यालय में, जप्त हुई महज 108 ट्रकों की धान

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

प्रदेश में भले ही सरकार मंडी समितियों के माध्यम से किसानों के कल्याण की बात सोचती हो। लेकिन यह मण्डी समितियां घोटालों का इतना बड़ा केन्द्र बन चुकी है कि इसमें मण्डी बोर्ड से लेकर समितियों में बैठे चपरासी तक किसी न किसी घोटाले का अहम हिस्सा बनकर रह गए हैं। कुछ ऐसा ही मामला धान घोटाले का भी चल रहा है। जिसमें 450 ट्रकों के निकलने की रसीदें तो मण्डी समिति में मौजूद है और धान महज 108 ट्रकों की ही पकड़ी गई है।

कृषि उपज मंडी समिति लश्कर में 2024-25 में मैं. दुर्गा ट्रेडर्स का धान घोटाला पकड़ में आया था। जिसको लेकर उच्च न्यायालय में मामला भी चल रहा है और इस मामले में किसानों को पैसा देने के लिए वेयर हाउसों में मौजूद धान को राजसात कर किसानों का पैसा वापस देने के लिए उच्च न्यायालय ने कहा था। जिसको लेकर डबरा स्थित सिद्धेश्वरी वेयर हाउस में रखी धान को राजसात करने की कार्रवाई की गई थी। जिसमें 54 हजार 473 बोरों को ही राजसात किया गया था।

एक ट्रक में लगभग 500 कट्टे थे

मिली जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी समिति से निकले एक ट्रक में लगभग 500 कट्टे भरे हुए थे। जिसमें 60 किलो प्रति कट्टा (बैग) धान भरी गई थी।

450 ट्रक में थे इतने कट्टे

मण्डी समिति में मौजूद 450 रसीदों के अनुसार कुल कट्टों की संख्या 2 लाख 25 हजार कट्टे थे। जिसमें से महज 54 हजार 473 कट्टे ही वेयर हाउस में रखे हुए थे।

आरोपी कह रहा है बाकी माल कहां

मण्डी सूत्रों की मानें तो इस मामले में आरोपी बनाए गए दुर्गा ट्रेडर्स के मालिक कल्याण सिंह अब बाकी माल को लेकर पूछ रहे हैं। जो कि अन्य वेयर हाउसों में रखा हुआ था।

लगभग पौने दो लाख बैग कहां

इस मामले में सवाल उठ रहा है कि आखिर में लगभग पौ दो लाख (एक लाख 70 हजार 527 बैग) कहां है और इन बैगों में लगभग एक लाख क्विंटल से अधिक धान मौजूद थी।

इनका कहना है

कितनी ट्रकों की रसीद है यह बात देखकर बता सकता हूँ, अन्य वेयर हाउस संचालकों ने लिखकर दिया है कि हमारे यहां कुछ भी नहीं है। वहीं कल्याण सिंह पूछताछ के समय गायब थे और अब कह रहे हैं कि अन्य वेयर हाउसों में हमारी धान थी।

आलोक वर्मा, सचिव, कृषि उपज मंडी समिति लश्कर

निगमायुक्त ने कंट्रोल कमांड सेंटर से किया कचरा कलेक्शन का निरीक्षण

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर । निगम आयुक्त संघ प्रिय ने सोमवार की सुबह कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से कचरा कलेक्शन एवं सेकेंडरी वेस्ट कलेक्शन का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर टिपर वाहनों के पहुंचने एवं वहां से निकलने के समय को जांचा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल कमांड सेंटर से जीपीएस लोकेशन के माध्यम से शहर में चल रहे 260 टिपर वाहनों की स्थिति को जांचा। इस दौरान यह देखा गया कि कौन सा वाहन किस क्षेत्र में कचरा कलेक्शन के लिए कितना समय लगा रहा है। इसके साथ ही कचरा कलेक्शन करने के बाद वाहन कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर कितनी देर में पहुंचा। साथ ही कितने समय में कचरा ट्रांसफर स्टेशन से अपने दूसरे क्षेत्र में कचरा कलेक्शन के लिए रवाना हुआ। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

खास खबर

गंगा दशहरा पर श्रमदान से खिल उठी ऐतिहासिक मेहराब साब की तलैया

सांसद कुशवाह की अगुआई में कलेक्टर से लेकर आम नागरिकों ने श्रमदान कर दिया जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश

ग्वालियर । गंगा दशहरा के पावन अवसर पर ग्वालियर में एक अनूठा और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। लक्ष्मीगंज स्थित ऐतिहासिक मेहराब साहब की तलैया पर सांसद भारत सिंह कुशवाह की अगुआई एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की मौजूदगी में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन एक साथ उतरे। किसी ने तसला थामा, किसी ने फावड़ा उठाया और किसी ने कुदाल संभाली। सब कतारबद्ध होकर तलैया की सफाई में जुट गए। यह दृश्य 'मिले सुर मेरा तुम्हारा, तो सुर बने हमारा' की भावना को साकार कर रहा था।

विधायक क्रिकेट प्रीमियर लीग: दूधिया रोशनी में खेले जा रहे क्रिकेट मैच जीत के लिए दम लगा रहीं हैं टीमें

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर। जन उत्थान न्यास के तत्वाधान में हो रहे विधायक प्रीमियर लीग 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के आज 6 मैच एम.एल.बी कॉलेज के खेल मैदान में सायं 3:30 बजे से आयोजित किये गये। पहला मैच सायं 3:30 बजे वार्ड क्रमांक 21 की टीम 21/ए एवं टीम 21/बी के मध्य खेला गया। इसी क्रमशः में दूसरा मैच सायं 4:30 बजे वार्ड क्रमांक 60 की टीम 60/क्यू एवं टीम 60/आर के मध्य, तीसरा मैच सायं 5:30 बजे वार्ड क्रमांक 18 की टीम 18/ई एवं टीम 18/एफ के मध्य, चौथा मैच सायं 6:30 बजे वार्ड क्रमांक 58 की टीम 58/ए एवं टीम 58/डी के मध्य, पांचवा मैच सायं 7:30 से वार्ड क्रमांक 56 की टीम 56/ई एवं टीम 56/वाय के मध्य एवं अंतिम छठवां मैच सायं 8:30 बजे वार्ड क्रमांक 45 की टीम 45/बी एवं टीम 45/के के मध्य खेला गया।

मैच की शुरूआत में टूर्नामेंट के आयोजक, न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने अतिथियों के साथ टीमों से परिचय किया और टीमों को शुभकामनाएं दी। आज टूर्नामेंट के विभिन्न मैचों में अतिथियों के रूप में दिलीप अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राकेश जैन, संजय गेडा, मुकेश गोयल, श्याम बंसल 'अप्पा', कैलाश चंद्र गर्ग, अजय अग्रवाल, समीर अग्रवाल, रवि गर्ग, श्याम बंसल 'अप्पा', अनूप साहू, अनिल दुबे, जितेन्द्र बंसल मौजूद रहे। आज शाम एम.एल.बी मैदान पर पहला मैच वार्ड क्रमांक 21 की टीम 21/ए एवं टीम 21/बी के मध्य खेला गया। टीम 21/ए ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की और 8 ओवर में 125 रन बनाये। जिसके विरूद्ध टीम 21/बी ने 8 ओवर 47 रन बनाये और मैच हार गई। मैन ऑफ द मैच शिवांग को मिला। दूसरा मैच वार्ड क्रमांक 60 की टीम 60/क्यू एवं टीम 60/आर के मध्य खेला गया। टीम 60/क्यू ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की। जिस पर टीम 60/आर ने 8 ओवर में 74 रन बनाये। जिसके विरूद्ध टीम 60/क्यू ने 8 ओवर में 65 रन बनाये और मैच हार गई। मैन ऑफ द मैच मनीष अहिरवार को मिला। तीसरा मैच वार्ड क्रमांक 18 की टीम 18/ई एवं टीम 18/एफ के मध्य खेला गया। टीम 18/ई ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की और 8 ओवर में 49 रन बनाये। जिसके विरूद्ध टीम 18/एफ ने 4 ओवर 3 बॉल में 50 रन बनाये और जीत हासिल की। मैन ऑफ द मैच वरूण को मिला।

भीषण तापमान के बीच गर्मी के तेवर हुए विकराल, दिन और रात हुए बेहाल

तपा-तपा नौतपा, शहर तपा कोने-कोने में

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

तपा-तपा नौतपा कुछ ऐसी ही हालत अब लोगों की हो गई है। जिसके चलते पूरे शहर का कोना-कोना तपा हुआ महसूस हो रहा है और लोगों का चैन भी गायब हो गया है। इस दौरान रात का तापमान भी लोगों की नींद में खलल डाल रहा हे। जिसके चलते बैचेनी की हालत से लोगों को दो चार होना पड़ रहा है।

गर्मी के मौसम में नौ तपा को लेकर हर तरफ स्थिति खतरनाक है। जिसका कारण तापमान का लगातार बढ़ना है और इसके चलते लोगों के लिए भी दिन के समय राहत पाना दुश्वार हो गया है। वहीं दिन के समय चलने वाली गर्म हवा के थपेड़े दिन के बाद शाम को भी गर्म बनाए रखे हुए है। जिसके चलते शाम को मिलने वाली राहत भी अब गायब हो गई है। इस तेज तापमान के बीच लोग खुद को बचाए रखने के लिए पानी और शीतल पेय की तरफ रुख बनाए हुए है।

मन मारकर निकलता है आदमी

दिन के समय काम पर जाने वाले व्यक्तियों की स्थिति ऐसी है कि वह मनमारकर काम पर जा रहा है। दिन के समय गर्म हवाओं से बचने के लिए कोई उपाय काम नहीं कर पा रहा है और दो पहिया वाहनों सहित टेंपो आदि में गर्म थपेड़े लोगों को ही गर्म किए हुए हैं।

यह है आज का तापमान

मौसम विज्ञान केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार आज दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार रहा और सुबह का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक रहा।

7 बजते हो जाता है अलर्ट

गर्मी का रुप इस बात से समझा जा सकता है कि सुबह 7 बजे से ही तापमान फिर अपने ऊंचाई की तरफ चलना शुरु हो जाता है और उसी समय से आम आदमी को सूर्यदेव अलर्ट करते हुए महसूस होते हैं।

भोजन हुआ दुश्वार

इस भीषण तापमान से पड़ रही गर्मी के चलते लोगों की पाचन क्रिया भी बेहद प्रभावित हो गई है और लोगों का भोजन भी आधे से कम हो गया है। बाजारों में भी भोजन सामग्री बेचने वाली दुकानों और रेस्टोरेंटों पर भी दिन के समय तो लगभग खाली होने की स्थिति बन जाती है। वहीं लोग भी बाहर का खाना मुश्किल या मजबूरी की परिस्थिति में ही खा रहे हैं।

जीडीए अध्यक्ष भदौरिया ने की प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा

लंबित कार्यों, भुगतानों व अतिक्रमण संबंधी जानकारी प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर। जीडीए के अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया ने सोमवार को ग्वालियर विकास प्राधिकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में प्राधिकरण के लंबित तकनीकी कार्यों, लंबित भुगतानों एवं विभिन्न योजनाओं में हुए अतिक्रमण की जानकारी तकनीकी शाखा से आगामी तीन दिवस में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जीडीए अध्यक्ष भदौरिया ने लंबित विकास कार्यों को नियमानुसार शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में माधव प्लाजा योजना की अविक्रित संपत्तियों के विक्रय हेतु विशेषज्ञ एजेंसी से सुझाव प्राप्त करने, योजना के रखरखाव, टीडीएस-4 योजना के क्रियान्वयन तथा टीडीएस-5 योजना को पूर्व में बोर्ड द्वारा समाप्त किए जाने के कारणों की समीक्षा की गई। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि प्राधिकरण की प्रस्तावित नवीन योजनाओं में टीएनसीपीई द्वारा किसी भी प्रकार की अनुमति प्राधिकरण की स्वीकृति के बिना जारी न की जाए तथा इस संबंध में सख्ती से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। अध्यक्ष श्रीभदौरिया ने सभी अधिकारियों को चुस्ती एवं सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री नरोत्तम भार्गव, संपदा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बिल जमा न होने का कारण बताकर किसी भी पेयजल स्त्रोत का बिजली कनेक्शन न काटें : कलेक्टर श्रीमती चौहान

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर। अगले 40 दिनों यानि 10 जुलाई तक किसी भी नल-जल योजना व जल आपूर्ति स्त्रोत का बिजली कनेक्शन, बिल जमा न होने की वजह से कदापि न काटें। साथ ही नल-जल योजनाओं व अन्य पेयजल स्त्रोतों का यदि कोई ट्रांसफार्मर या विद्युत लाइन खराब है तो उसे तत्काल दुरुस्त कराएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने पर विशेष जोर है। इस संबंध में मुख्य सचिव द्वारा भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसलिये विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी इन दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विधायक मोहन सिंह राठौर की मौजूदगी में आयोजित हुई जिला स्तरीय विद्युत समिति की बैठक में विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को आगाह करते हुए दिए।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को जानकारी दी कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को धनराशि जारी की गई है। विद्युत बिल से संबंधित 30 प्रतिशत राशि पंचायतों के माध्यम से जमा कराई जा रही है। विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखकर पूरी सजगता व मुस्तैदी के साथ विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें, जिससे पेयजल आपूर्ति में दिक्कत न आए। उन्होंने विद्युत लाइनों के संधारण में तेजी लाने पर भी बल दिया। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण प्रेम सिंह राजपूत, विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक ग्रामीण पी आर पाराशर व महाप्रबंधक शहरी संदीप कालरा सहित बिजली कंपनी के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

खास खबर

भा क पा के राज्य व्यापी विरोध प्रदर्शन के आव्हान के तहत

ग्वालियर में पेट्रोल, डीजल और सांची दूध की कीमतों में की गई वृद्धि वापस लेने की मांग का मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधीश को सौंपा

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर । पेट्रोल, डीजल और सांची दूध की मूल्य वृद्धि के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा 25 मई को मध्य प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन कर स्थानीय जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्य मंत्री को सांबोधित ज्ञापन दिया जाने का आह्वान किया था। जिसके तहत आज भा क पा जिला ग्वालियर ने पार्टी कार्यालय सरवटे भवन हजीरा ग्वालियर से रैली निकाल कर हजीरा चौराहा ग्वालियर पर प्रदर्शन, सभा कर कॉम संजीव राजपूत जिला सचिव, कॉम कौशल शर्मा एडवोकेट सहायक जिला सचिव, कॉम शैलेश परमार सहायक जिला सचिव के नेतृत्व मे एक प्रतिनिधि मंडल ने पेट्रोल , डीजल और सांची दूध की कीमतों में की गई वृद्धि को वापस लेने की मांग का मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम संबोधित ज्ञापन पत्र जिलाधीश ग्वालियर के प्रतिनिधि अनिल राघव डिप्टी कलेक्टर को सोपा।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि देश मे गरीबी ,बेरोजगारी ,महंगाई से त्रस्त जनता पर पेट्रोल , डीजल और सांची दूध की कीमतों की वृद्धि का भार डालना अनुचित है। पेट्रोल, डीजल की कीमत में भारी वृद्धि के लिए केन्द्र और मध्य प्रदेश सरकार दोनों ही जिम्मेदार हैं। रूस द्वारा भारत को सस्ती दरों पर तेल प्रदान करने के प्रस्ताव को भारत सरकार अनदेखा कर रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव के कारण रूस से सस्ती दरों पर तेल का आयात बाधित हुआ है। इसी तरह भारत अपने पारंपरिक मित्र देश ईरान के साथ युद्ध के संकट के समय खुलकर सामने नहीं आया। यह भी ट्रम्प द्वारा प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी पर दबाव डालने के कारण हुआ । ईरान से भी तेल की नियमित आपूर्ति बाधित हुई है। इसका दुष्परिणाम पेट्रोलियम पदार्थों की भारी मूल्य वृद्धि के रूप में सामने आया है। इस तेल संकट के लिए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जिम्मेदार हैं।

12 करोड़ कीमत की शासकीय जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

ग्वालियर। शहर में शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में जिला प्रशासन की टीम ने सोमवार को ग्राम महलगांव मौजे के अंतर्गत स्थित बेशकीमती लगभग 4000 वर्गफुट शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटवाया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का बाजार मूल्य लगभग 12 करोड़ रुपए आंका गया है।

एसडीएम अतुल सिंह ने बताया कि तहसीलदार न्यायालय महलगांव वृत सिटी सेंटर द्वारा गत 13 मई को एक प्रकरण में महलगांव मौजे के सर्वे क्र.-1195 की लगभग 4 हजार वर्गफीट शासकीय जमीन पर अवैध रूप से काबिज विनायक गर्ग निवासी लक्ष्मीबाई कॉलोनी को बेदखल करने के आदेश दिए थे। साथ ही उन पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया था। इस आदेश के पालन में सोमवार को राजस्व, नगर निगम व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और नगर निगम के मदाखलत दस्ते व मशीनों की मदद से शासकीय जमीन के अतिक्रमण ध्वस्त कराए।

सम्पादकीय

अधिकारों का अहंकार लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा

भारत के लोकतंत्र को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक ढांचा माना जाता है। 1950 में लागू हुए संविधान ने देश के नागरिकों को समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकारी के साथ ही न्याय की गारंटी दी है। संविधान निर्माताओं ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में ऐसी त्रिस्तरीय व्यवस्था तैयार की, जिसका उद्देश्य शक्ति का संतुलन बनाए रखना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या ये संस्थाएं अपने मूल दायित्वों का निर्वाह उसी निष्पक्षता और संवेदनशीलता से कर रही हैं, जिसकी अपेक्षा संविधान निर्माताओं ने की थी। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। जब नागरिक अपने मताधिकार से सरकार चुनते हैं, तो वे केवल सत्ता नहीं सौंपते, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य की रक्षा की जिम्मेदारी भी राज्य को देते हैं। संविधान ने स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित किया कि कोई भी संस्था निरंकुश न हो। विधायिका कानून बनाएगी, कार्यपालिका उन्हें लागू करेगी और न्यायपालिका इस बात की निगरानी करेगी कि संविधान और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन न हो। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा मजबूत होती दिखाई दे रही है कि सत्ता और अधिकार का केंद्रीकरण बढ़ रहा है। सरकारें कठोर कानून बना रही हैं, जांच एजेंसियां लंबे समय तक लोगों को जेलों में बंद रख रही हैं और अदालतों में न्याय मिलने में असामान्य देरी हो रही है। इससे नागरिकों के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या न्याय केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है, 'जमानत नियम है और जेल अपवाद।' इसके बावजूद आज अनेक मामलों में आरोपी वर्षों तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेलों में बंद रहते हैं। कई बार मुकदमे शुरू तक नहीं हो पाते, जबकि आरोपी अपनी संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देता है। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संकट में धकेल देती है। चिंता की बात यह है कि कठोर कानूनों के नाम पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था जरूरी हैं, लेकिन इनके नाम पर मौलिक अधिकारों की अनदेखी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं मानी जा सकती। जब कानून का प्रयोग समान रूप से न होकर चयनात्मक रूप से होता दिखाई देता है, तब नागरिकों का विश्वास कमजोर होने लगता है। आज समाज में यह धारणा भी गहराती जा रही है कि प्रभावशाली और पूंजी संपन्न वर्ग के लिए नियम अलग हैं, जबकि आम नागरिकों के लिए अलग। न्याय में समानता लोकतंत्र की आत्मा है। यदि अदालतों के फैसलों में विरोधाभास, देरी और पक्षपात का आरोप बढ़ने लगे, तो यह केवल न्यायपालिका ही नहीं, पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। न्यायपालिका लोकतंत्र का अंतिम प्रहरी मानी जाती है। इसलिए उससे सबसे अधिक संवेदनशीलता, संयम और निष्पक्षता की अपेक्षा होती है। अदालतों की टिप्पणियां और फैसले समाज पर गहरा प्रभाव डालते हैं। ऐसे में यदि न्यायालयों से ऐसी टिप्पणियां आती हैं, जो आम नागरिकों की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक है। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति को राष्ट्रविरोध नहीं माना जा सकता। सरकार और नागरिकों के बीच वैचारिक मतभेद लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा हैं। यदि विरोध की हर आवाज को कठोर कानूनों के जरिए दबाने की कोशिश होगी, तो इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका तीनों आत्ममंथन करें। अधिकार का अर्थ निरंकुशता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी होता है। संविधान ने किसी भी संस्था को सर्वोच्च नहीं बनाया, बल्कि सभी को जवाबदेह बनाया है। यदि अधिकारों के साथ विनम्रता और संवेदनशीलता समाप्त हो जाए, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे केवल व्यवस्था बनकर रह जाता है, जनविश्वास नहीं। इतिहास गवाह है कि जब जनता का विश्वास टूटता है, तब असंतोष भीड़ में बदल जाता है और भीड़ किसी नियम या व्यवस्था को नहीं मानती। इसलिए समय रहते लोकतांत्रिक संस्थाओं को यह समझना होगा कि संविधान केवल सत्ता चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प है। यदि इस संकल्प की अनदेखी हुई, तो उसके दुष्परिणाम पूरे राष्ट्र को भुगतने पड़ सकते हैं।

राशिफल

मेष: कार्य मामले में आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, रुके कार्य बनेंगे, ध्यान दें।

वृष: योजना पूर्ण होगी, शुभ समाचार से मन प्रसन्न हो, सोचे हुये कार्य अवश्य बनेंगे।

मिथुन: कार्य-व्यावसाय में थकावट, बेचैनी, कुछ असफलता के साधन अवश्य बनेंगे।

कर्क : दैनिक व्यावसाय गति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

सिंह: आलोचना से बचिये, कार्य-कुशलता से पूर्ण संतुष्टी तथा संतोषवान स्थिती रहेगी।

कन्या: भोग-एश्वर्य में समय बीते, शारीरिक थकावट, बेचैनी कार्य में बढ़ेगी, ध्यान रखें।

तुला: मित्र-वर्ग विशेष लाभप्रद रहें, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, ध्यान दें।

वृश्चिक: मित्र वर्ग विशेष लाभप्रद रहें, कार्य में सफलता प्राप्त होगी, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

धनु: तनावपूर्ण वार्ता चलाती ही रहेगी तथा सुखवर्धक योग अवश्य ही बनेंगे।

मकर: कार्यवृत्ति में सुधार, सामाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा अवश्य ही बनेगी।

कुंभ: कार्य-व्यावसाय में सुधार, सामाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा अवश्य प्राप्त होगी।

मीन: आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य की योजना अवश्य ही बनेगी।

दुनिया दीवानी फुटबॉल की, अब हमारी बारी!

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(25 मई विश्व फुटबॉल दिवस)

फुटबॉल दुनिया का ऐसा खेल है, जिसे समझने के लिए किसी भाषा की आवश्यकता नहीं है, फुटबाल किसी भी भाषा में आए समझ आता है। मैदान पर पैर की एक जादुई ड्रिबल, एक सटीक पास और नेट से टकराती गेंद - यह वह रोमांच है जो दुनिया के हर कोने को एक धागे में पिरो देता है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र ने 25 मई को आधिकारिक तौर पर विश्व फुटबॉल दिवस घोषित किया है। यह फैसला सिर्फ इस खेल की लोकप्रियता का जश्न नहीं है, बल्कि इस बात का सम्मान है कि फुटबॉल दुनिया में शांति, एकजुटता और युवाओं को जोड़ने का सबसे खूबसूरत जरिया है। जब पूरी दुनिया इस खेल के रंग में रंगी है, तब भारत के लिए यह दिन एक नई ऊर्जा और बड़े सपनों के साथ आगे बढ़ने का अवसर है।

अक्सर कहा जाता है कि भारत सिर्फ क्रिकेट का दीवाना है, लेकिन सच यह है कि हमारे देश में फुटबॉल को लेकर एक खामोश क्रांति आकार ले रही है। कोलकाता के मैदानों का पारंपरिक जोश हो, केरल की गलियों की दीवानगी हो या पूर्वोत्तर के पहाड़ों से निकलती नई प्रतिभाएं - फुटबॉल का जज्बा हमारी रगों में तेजी से दौड़ रहा है। इंडियन सुपर लीग की सफलता और जमीनी स्तर पर शुरू हुए नए फुटबॉल प्रोजेक्ट्स ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय युवाओं में इस खेल को लेकर गजब का आकर्षण है। अब समय आ गया है कि इस जुनून को एक सही दिशा देकर हम वैश्विक मंच पर अपनी बड़ी पहचान बनाएं। भारत इस क्षेत्र में बहुत कुछ कर सकता है और इसके लिए हमें एक सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सबसे बेहतरीन

शुरुआत स्कूलों और स्थानीय स्तर पर फुटबॉल फॉर ऑल यानी सबके लिए फुटबॉल अभियान चलाकर की जा सकती है। यदि हर पंचायत और नगरीय निकाय में बच्चों के लिए एक अदद मैदान और बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कर दी जाएं, तो देश को हुनर खोजने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। हमारे कॉर्पोरेट जगत के पास सीएसआर फंड के जरिए ग्रामीण इलाकों में छोटी-छोटी फुटबॉल अकादमियां खोलने का शानदार मौका है। जब सरकार, कॉर्पोरेट और समाज मिलकर काम करेंगे, तो भारत में प्रतिभाओं का एक ऐसा ताना-बाना तैयार होगा जो भविष्य में वैश्विक कप्तानों को जन्म देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल भारत के लिए एक बहुत बड़ी सॉफ्ट पावर बन सकता है। खेल एक ऐसा माध्यम है जो बिना किसी राजनीतिक तनाव के दो देशों के लोगों के दिलों को जोड़ देता है। जब भारतीय फुटबॉल टीम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में तिरंगा लहराएगी, तो यह न केवल देश की ब्रांड वैल्यू को बढ़ाएगा बल्कि दुनिया भर में भारत के युवाओं के कौशल का डंका बजाएगा। मैदान के इस जादू का सबसे बड़ा फायदा हमारे स्वास्थ्य और सामाजिक ताने-बाने को मिलता है। आज के डिजिटल युग में जब बच्चे मोबाइल स्क्रीन पर बंधे हैं, फुटबॉल उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए एक बेहतरीन वरदान है। 90 मिनट तक मैदान पर लगातार दौड़ना और तुरंत रणनीतियां बनाना दिल को मजबूत करता है, स्टेमिना बढ़ाता है और मोटापे जैसी बीमारियों को कोसों दूर रखता है। सबसे खास बात यह है कि फुटबॉल बच्चों को अकेले नहीं, बल्कि टीम वर्क के साथ आगे बढ़ना सिखाता है। मैदान पर सीखी गई अनुशासन और आपसी तालमेल की यह कला जिंदगी के हर मोड़ पर काम आती है। 25 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें यह भरोसा दिलाता है कि भारत के पास गति भी है और प्रगति का संकल्प भी। हमारी नई पीढ़ी के पैरों में वो दम है जो दुनिया के किसी भी मैदान पर अपना लोहा मनवा सकता है। जरूरत बस इस बात की है कि हम उनके इस हौसले को सही संसाधन और सही मंच दें। अगर आज हम मिलकर एक सही और सकारात्मक शुरुआत करेंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर दुनिया भारत के खेल को सलाम करेगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

'प्रधानमंत्री मोदी की अपील: क्या केवल 'वचन' से संकट टलेगा?''

(लेखक-राजीव खंडेलवाल)

विदेश नीति पर पुनर्विचार की आवश्यकता''। भारतीय संस्कृति में ''सात फेरे'' केवल रस्म नहीं, बल्कि स्थायी संबंधों की प्रतिज्ञा माने जाते हैं। यही प्रश्न आज प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा संकट को लेकर देशवासियों से की गई ''एक वर्ष की अपील'' पर भी खड़ा होता है। क्या संयम की अपील के संदेशों से यह संकट स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगा?

स्पष्ट है कि वर्तमान संकट केवल ''तेल बचाने'' का नहीं, बल्कि ''नीति, प्राथमिकताओं और विदेश नीति'' की दिशा तय करने का संकट है। ''आग लगने पर कुआँ खोदने'' की प्रवृत्ति से राष्ट्र लंबे समय तक नहीं चल सकते। संकट का सामना दूरदृष्टि, स्पष्ट रणनीति और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से होता है।

संकट आया कब? सरकार जागी कब?

कोरोना महामारी के बाद यह दूसरा अवसर है, जब मार्च 2026 में ईरान-अमेरिका संघर्ष ने विश्व को गंभीर ऊर्जा संकट में धकेल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, समुद्री मार्गों में अवरोध और लॉजिस्टिक लागत बढ़ने से विश्व अर्थव्यवस्था दबाव में आ गई।

भारत इस संकट का कारण नहीं था, किंतु उससे अछूता भी नहीं रह सका। विपक्ष का प्रश्न है कि लगभग 70 दिनों से गहराते संकट को जनता के सामने पांच राज्यों के चुनाव समाप्त होने के बाद ही क्यों रखा गया? यदि स्थिति गंभीर थी तो, पूर्व तैयारी और स्पष्ट संवाद पहले क्यों नहीं हुआ?

निश्चित रूप से राजनीति में समय और रणनीति का महत्व होता है। प्रधानमंत्री को यह अधिकार है कि वे किसी संकट की जानकारी कब और किस रूप में देश के सामने रखें। किंतु ''देर आयद, दुरुस्त आयद'' तभी माना जाता है जब साथ में ठोस कार्ययोजना भी हो।

विश्व ने तत्परता दिखाई, भारत ने प्रतीक्षा?

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (प्म्।) ने 20 मार्च 2026 को ऊर्जा बचत हेतु 10 सूत्रीय योजना जारी कर दी थी। विश्व के 40 से अधिक देशों ने मार्च-अप्रैल में ही ईंधन बचत, वैकल्पिक ऊर्जा और रणनीतिक भंडारण बढ़ाने के कदम उठा दिए।

भारत में चुनावी माहौल के दौरान लगातार यह संदेश दिया गया कि ''सब कुछ नियंत्रण में है''। यदि उस समय वास्तविक स्थिति से जनता को अवगत कराया जाता तो आज भय और असमंजस की स्थिति कम होती।

एक कहावत हैकृ'बीमारी छुपाने से इलाज नहीं होता''। लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना आवश्यक है, न कि केवल संकट गहरा जाने के बाद त्याग का आह्वान करना।

''तेल कंपनियों का लाभ और जनता पर भार''।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तेल कंपनियों को प्रतिदिन हजारों करोड़ के नुकसान का हवाला दिया। किंतु यह प्रश्न भी स्वाभाविक है कि जब 2015 में कच्चे तेल की कीमत 40 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी और पिछले दशक में औसत कीमत अपेक्षाकृत कम (60-70 डॉलर प्रति बैरल) रही, तब तेल कंपनियों द्वारा अर्जित भारी लाभ (एक अनुमान के अनुसार 15 से 40 लाख करोड़ रू.) का कितना हिस्सा जनता को राहत देने में उपयोग हुआ?

यूपीए सरकार के समय 130 डॉलर प्रति बैरल तेल होने की चर्चा बार-बार की जाती है, किंतु बाद में वर्षों तक सस्ते तेल से हुए लाभ का पूरा हिसाब जनता के सामने कभी नहीं रखा गया। ''मुश्किल में जनता याद आती है, लाभ में जनता भूल जाती है''कृयह धारणा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं।

''दोषारोपण नहीं, राष्ट्रीय सहमति आवश्यक''।

ऊर्जा संकट केवल सरकार या विपक्ष का विषय नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की चुनौती है। उत्पादन और मांग के बीच भारी अंतर है। ऐसे में समाधान केवल दो हैं

खपत और अपव्यय पर नियंत्रण।

वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का तीव्र विकास।

राजनीतिक दल यदि इस मुद्दे पर ''एक-दूसरे की टांग खींचने'' में लगे रहे, तो स्थिति और जटिल होगी। राष्ट्रीय संकट में ''रस्साकशी'' नहीं, ''राष्ट्रनीति'' आवश्यक होती है।

''सोने के आयात पर कठोर नीति क्यों नहीं?''

सरकार ने सोने की खरीद कम करने की सलाह दी है, किंतु केवल अपील पर्याप्त नहीं। यदि विदेशी मुद्रा बचाना ही लक्ष्य है तो सीमित अवधि के लिए सोने के आयात पर प्रभावी नियंत्रण पर विचार होना चाहिए।

देश में पहले से इतना सोना उपलब्ध है कि सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। निवेशकों को भी सुरक्षित और आकर्षक वैकल्पिक निवेश विकल्प उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। अन्यथा ''जहाँ भरोसा डगमगाता है, वहाँ सोना चमकने लगता है''।

''विदेश नीतिः क्या भारत दबाव में है?''

वर्तमान आर्थिक संकट की जड़ केवल तेल नहीं, बल्कि विदेशी मुद्रा पर बढ़ता दबाव है। इसके तीन प्रमुख कारण हैं:-

ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता।

सोने का भारी आयात।

आयात-निर्यात असंतुलन।

इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न भारत की विदेश नीति को लेकर उठ रहा है।

''माई फ्रेंड ट्रंप'' और भारत की स्वतंत्र नीति''।

डोनाल्ड ट्रंप के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद भारत-अमेरिका संबंध व्यक्तिगत मित्रता की भाषा में तो मजबूत दिखाई देते हैं, किंतु व्यवहारिक स्तर पर भारत कई मामलों में दबाव में नजर आता है।

विशेषकर तेल नीति को लेकर भारत स्वतंत्र निर्णय लेने में हिचकता दिखाई देता है। ट्रंप द्वारा कई मौकों पर भारत के प्रति कठोर और अपमानजनक टिप्पणियाँ किए जाने के बावजूद भारत की खासकर मोदी की जवाबी प्रतिक्रिया नहीं रही।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का कथन ''सहयोगी होने का अर्थ गुलाम होना नहीं''कृआज विश्व राजनीति में आत्मसम्मान आधारित कूटनीति का उदाहरण बन गया है। मोदी सीख ले सकते है। ऐसे विश्व में राष्ट्र प्रमुखों के ऐसे कई उदाहरण मौजूद है।

''भारत-ईरान संबंध टूटी कड़ी किसने तोड़ी?''

2019 तक भारत ईरान से रियायती दरों पर रुपये में तेल खरीद रहा था। मुफ्त बीमा, मुफ्त परिवहन और क्रेडिट सुविधा के कारण भारत को अरबों डॉलर की बचत हुई। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने तेल खरीदना लगभग बंद कर दिया। परिणामस्वरूप व्यापार संतुलन बिगड़ा और विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ा। अब जबकि ईरान खुले तौर पर भारत को पुनः तेल बेचने की इच्छा जता रहा है, तब भारत इस अवसर का लाभ उठाने में संकोच क्यों कर रहा है? यही वह प्रश्न है जो विदेश नीति की स्वतंत्रता पर बहस खड़ी करता है।

''रूस नीति में भी बदलाव क्यों?''

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने प्रारंभ में रियायती तेल खरीदी जारी रखी, किंतु धीरे-धीरे उसमें कमी दिखाई देने लगी। जबकि चीन अमेरिकी दबावों की परवाह किए बिना ईरान और रूस दोनों से तेल खरीदता रहा।

भारत की विदेश नीति का ऐतिहासिक आधार ''रणनीतिक स्वायत्तता'' रहा है। 1971 में अमेरिका के सातवें बेड़े की धमकी के बावजूद भारत झुका नहीं था। आज यदि तेल खरीदने के लिए भी अप्रत्यक्ष स्वीकृति की आवश्यकता महसूस हो रही है, तो यह चिंता का विषय अवश्य है।

''डॉलर बचाने की बात और डॉलर में खरीदी?''

प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने का आह्वान किया है। किंतु प्रश्न यह है कि यदि ईरान और रूस से रुपये में तेल खरीदा जा सकता है, तो महंगे दाम पर डॉलर में तेल खरीदने की विवशता क्यों?

''एक हाथ से बचत का संदेश और दूसरे हाथ से महंगी खरीदी'' यह विरोधाभास जनता को समझ नहीं आता।

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास हैं)

युवा शक्ति, रेलवे और विकसित भारत का नया संकल्प

(लेखक--विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला')

किसी गरीब परिवार का युवा जब रेलवे,डाक विभाग,बैंकिंग,सुरक्षा बल या प्रशासनिक सेवा में चयनित होता है,तो वह केवल अपनी जिंदगी नहीं बदलता,बल्कि अपने पूरे परिवार को आर्थिक असुरक्षा से बाहर निकालता है। इसीलिए रोजगार मेलों के दृश्य भावनात्मक महत्व भी रखते हैं।*

51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण में झलका आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में कुछ क्षण ऐसे होते हैं,जो केवल सरकारी आयोजनों तक सीमित नहीं रहते,बल्कि वे बदलते हुए राष्ट्र-चरित्र,व्यवस्था और समय की दिशा के प्रतीक बन जाते हैं। बीते दिनों ऐसा ही एक दृश्य तब सामने आया,जब देशभर के 51 हजार से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।यह कार्यक्रम केवल सरकारी नौकरियों के वितरण का औपचारिक आयोजन नहीं था,बल्कि उस नए भारत का प्रतिबिंब था,जो अपनी युवा शक्ति को विकास,आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ऊर्जा मानकर आगे बढ़ रहा है।विशेष महत्व की बात यह रही कि इन नियुक्तियों में 50 प्रतिशत से अधिक अवसर भारतीय रेल से जुड़े विभिन्न विभागों में प्रदान किए गए। यह तथ्य केवल भर्ती का सरकारी आंकड़ा नहीं,बल्कि आने वाले भारत की विकास दिशा का स्पष्ट संकेत भी है।यह बताता है कि केंद्र सरकार देश की आधारभूत संरचना,विशेषकर रेलवे नेटवर्क को 21वीं सदी के भारत की आर्थिक धुरी बनाने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रही है।इस अवसर पर नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज का भारत युवाओं को अवसर देने वाला भारत है।सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं,बल्कि उन्हें धरातल तक पहुंचाकर युवाओं के हाथों में अवसर,विश्वास और आत्मसम्मान सौंपना है।उन्होंने यह भी कहा कि बीते वर्षों में भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी,तकनीक आधारित और समयबद्ध बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए हैं, ताकि युवाओं को वर्षों तक प्रतीक्षा और अनिश्चितता के दौर से न गुजरना पड़े।दरअसल,पिछले कुछ वर्षों में 'रोजगार मेला' केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि शासन व्यवस्था की नई कार्यशैली के रूप में उभरा है। एक समय था,जब सरकारी भर्तियाँ वर्षों तक विवादों,लंबित परीक्षाओं, भ्रष्टाचार और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों के बीच उलझी रहती थीं।लाखों युवा आयु सीमा पार होने की चिंता में अपने सपनों को टूटते हुए देखते थे। लेकिन अब मिशन मोड में रिक्त पदों को भरने और भर्ती प्रक्रियाओं को गति देने का प्रयास दिखाई देता है।यही कारण है कि देश के विभिन्न राज्यों और शहरों में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।भारत जैसे विशाल और युवा देश में रोजगार का प्रश्न केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह सामाजिक स्थिरता,पारिवारिक सुरक्षा,आत्मसम्मान और राष्ट्रीय आत्मविश्वास से भी गहराई से जुड़ा हुआ विषय है।जब किसी युवा के हाथ में नियुक्ति पत्र आता है,तब केवल एक व्यक्ति को नौकरी नहीं मिलती,बल्कि एक परिवार के सपनों को स्थिरता और समाज को नई ऊर्जा मिलती है।किसी गरीब किसान का बेटा,किसी मजदूर की बेटी या किसी निम्न मध्यमवर्गीय परिवार का युवा जब सरकारी सेवा में चयनित होता है,तब उसके साथ पूरा परिवार नई आशा से भर उठता है।ग्रामीण भारत में आज भी सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं,बल्कि सम्मान,सुरक्षा और स्थायित्व का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती है।गाँवों और कस्बों में सरकारी नौकरी पाने वाला युवा केवल अपने घर का भविष्य नहीं बदलता,बल्कि वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।यही कारण है कि रोजगार मेलों के मंच केवल प्रशासनिक मंच नहीं रह जाते,बल्कि वे सामाजिक परिवर्तन और नई संभावनाओं के मंच बन जाते हैं।सरकारी सेवा को राष्ट्र सेवा का माध्यम बताते हुए युवाओं से ईमानदारी,संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।यह बात भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को भी व्यक्त करती है।कोई भी व्यवस्था तभी मजबूत होती है,जब उसमें कार्य करने वाले लोग सेवा भाव के साथ जनता के बीच काम करें।लोकतंत्र केवल संसद और सरकार से नहीं चलता,बल्कि उन लाखों कर्मचारियों और अधिकारियों से चलता है,जो रोज़मर्रा की व्यवस्था को आम जनता तक पहुंचाते हैं।आज भारत जिस 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, उसमें युवा शक्ति की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है।यह केवल जनसांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की सबसे बड़ी ताकत है।दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वृद्ध होती आबादी की चुनौती से जूझ रही हैं, जबकि भारत के पास युवा ऊर्जा का विशाल आधार मौजूद है।यदि यही युवा शक्ति शिक्षित,प्रशिक्षित और रोजगारयुक्त होगी,तो भारत आने वाले दशकों में विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों में शामिल हो सकता है।इस रोजगार मेले की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय रेल में बड़ी संख्या में नियुक्तियां रही हैं।कुल नियुक्तियों में लगभग आधे से अधिक अवसर रेलवे से जुड़े विभिन्न विभागों में दिए गए।इसका महत्व केवल रोजगार तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत की बदलती आर्थिक संरचना और विकास मॉडल को भी दर्शाता है।

भारतीय रेल केवल एक परिवहन तंत्र नहीं,बल्कि भारत की जीवन रेखा है।यह देश की आर्थिक गतिविधियों,सामाजिक एकता और सांस्कृतिक संवाद का सबसे बड़ा माध्यम है।हिमालय की वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तट तक और पूर्वोत्तर के दुर्गम इलाकों से लेकर पश्चिमी भारत के औद्योगिक नगरों तक रेलवे भारत को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करती है।आज जब भारत तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास मॉडल की ओर बढ़ रहा है,तब रेलवे की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार, अमृत भारत स्टेशन योजना, समर्पित माल गलियारे,हाईस्पीड रेल परियोजनाएं, रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण और आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम जैसी परियोजनाएं भारतीय रेल को नए युग में पहुंचा रही हैं।इन परियोजनाओं के लिए विशाल मानव संसाधन की आवश्यकता स्वाभाविक है।इंजीनियर, तकनीशियन,परिचालन कर्मचारी, सुरक्षा बल, प्रशासनिक अधिकारी और सेवा क्षेत्र से जुड़े हजारों पद रेलवे की नई संरचना का हिस्सा बन रहे हैं।यही कारण है कि रेलवे आज देश का सबसे बड़ा रोजगार सृजनकर्ता विभाग बनकर उभर रहा है।पिछले कुछ वर्षों में रेलवे को केवल यात्रा का माध्यम नहीं,बल्कि आर्थिक क्रांति का इंजन बनाने की दिशा में कार्य हुआ है।आज छोटे शहरों के रेलवे स्टेशन भी आधुनिक स्वरूप में विकसित किए जा रहे हैं। स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाएं स्थानीय व्यापार,पर्यटन और निवेश की नई संभावनाएं पैदा कर रही हैं।रेलवे के आधुनिकीकरण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार के रोजगार तेजी से बढ़ रहे हैं।एक समय था जब सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को लेकर लगातार सवाल उठते थे। प्रतियोगिता परीक्षाओं में धांधली,वर्षों तक लंबित परिणाम,पेपर लीक और भर्ती घोटाले युवाओं में गहरी निराशा पैदा करते थे।पिछले कुछ वर्षों में तकनीक आधारित भर्ती प्रणाली ने इस व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने का प्रयास किया है।ऑनलाइन आवेदन,कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं,डिजिटल दस्तावेज सत्यापन और समयबद्ध चयन प्रक्रिया ने पारदर्शिता को मजबूत किया है।हालाँकि चुनौतियां अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं,लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि तकनीकी सुधारों ने युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति विश्वास को मजबूत किया है।आज का युवा केवल नौकरी नहीं चाहता,बल्कि वह सम्मानजनक और पारदर्शी अवसर चाहता है।यही कारण है कि जब नियुक्ति पत्र सीधे देश के सर्वोच्च नेतृत्व के माध्यम से युवाओं तक पहुंचता है,तो वह प्रशासनिक प्रक्रिया से आगे बढ़कर मनोवैज्ञानिक विश्वास का भी निर्माण करता है।भारत की राजनीति में बेरोजगारी लंबे समय से बड़ा मुद्दा रही है। विपक्ष लगातार सरकार से रोजगार के आंकड़े मांगता रहा है,जबकि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर,स्टार्टअप और स्वरोजगार आधारित अवसरों को रोजगार वृद्धि का आधार बताती रही है।ऐसे समय में रोजगार मेलों का आयोजन केवल प्रशासनिक पहल नहीं,बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि रिक्त पदों को भरने और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रियता दिखाई दे रही है।हालाँकि यह भी सच है कि भारत जैसे विशाल देश में केवल सरकारी नौकरियों के माध्यम से सभी युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जा सकता।इसके लिए निजी क्षेत्र,उद्योग,कृषि आधारित उद्यम,पर्यटन,डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप संस्कृति को भी समान गति से आगे बढ़ाना होगा।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित

वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, दिया ईंधन बचाने का संदेश

▸▸ जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सीईओ ने की विभागीय प्रगति की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव द्वारा जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंजीयक एवं सहकारी संस्थाएं, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने के आवाहन पर जिले के सभी जनपदों के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

इस प्रकार सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नागरिकों को ईंधन की बचत करने का संदेश दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागीय योजनाओं की जानकारी और आंकड़े जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए जाएं। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आंगनबाड़ियों की व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने और नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय स्कूलों में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी नागरिकों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े।

उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय छात्रावासों का समय समय पर निरीक्षण किया जाए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में प्रदान किया गया। अनुसूचित जाति वर्ग के 3221 तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के 2529 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला, वहीं आवास सहायता योजनाओं से भी हजारों हितग्राही लाभान्वित हुए। वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति बस्ती विकास योजना के तहत 23 कार्य एवं अनुसूचित जनजाति बस्ती विकास योजना के तहत 10 कार्य किए गए। सहकारिता विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में रबी वर्ष 2025-26 में अल्पकालीन फसल ऋण वितरण लक्ष्य के विरुद्ध 103.81 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। किसानों को 557.51 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। इसके साथ ही जिले की सभी 108 पैक्स समितियों में ईआरपी लॉगिन एवं गो-लाईव की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, जिससे सहकारी कार्यों में पारदर्शिता और गति आई है।

योजनाओं को शीघ्र ही पूर्ण करने का लक्ष्य

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में स्वीकृत 332 एकल नलजल योजनाओं में से 317 योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष 15 योजनाओं को शीघ्र ही पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में जल जीवन मिशन के तहत 1024 ग्रामों में पेयजल योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिनमें बड़ी संख्या में ग्रामों में योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा में बताया गया कि जिले में प्राप्त 433 शिकायतों में से 412 का निराकरण कर दिया गया है। इसके अलावा 259 हैंडपंपों में राइजर पाइप बढ़ाकर उन्हें चालू किया गया तथा 43 हैंडपंपों में मोटर पंप स्थापित किए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के 1539 शासकीय स्कूलों एवं 829 आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत जिले में 1403 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

कंट्रोल रूम में 531 पेयजल संबंधी शिकायतों का किया गया निराकरण

पीएचई विभाग द्वारा की जा रही है ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण जल स्तर नीचे हो रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा ग्रामवासियों को पेयजल उपलब्ध कराने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए स्थापित कंट्रोल रूम में अभी तक कुल 584 शिकायते प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 531 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। सीहोर जिले में 1017 ग्रामों में से 499 ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से तथा शेष ग्रामों में 7748 हैण्डपम्पों एवं निजी स्त्रोतों द्वारा जल आपूर्ति की जा रही है। अभी तक 259 हैण्डपम्पों में 930 मीटर राइजर पाइप बढाकर हैण्डपम्प चालू किये गये है तथा 43 हैण्डपम्पों में सिंगलफेस मोटर पम्प स्थापित कर पेयजल व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा 20 नलकूपों की सफाई का कार्य भी कराया गया है। विभाग द्वारा 332 एकल नलजल प्रदाय योजनाये स्वीकृत हुई है, जिनमें से 317 योजनाये पूर्ण हो चुकी है तथा 15 योजनाओं में कार्य प्रगतिरत है, जो 01 माह में पूर्ण हो जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

अवैध उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कठोर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार अवैध खनन में संलग्न लोगों एवं वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध उत्खनन, खनिजों के अवैध परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देशानुसार राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ग्राम पथाडा, तहसील सिवनी मालवा क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए एक पनडुब्बी एवं एक मोटरबोट को जब्त किया गया। जब्त किए गए दोनों वाहनों को पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। प्रशासन द्वारा संबंधित प्रकरण दर्ज कर आगामी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है तथा अवैध उत्खनन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इटारसी में राजस्व एवं पुलिस विभाग ने की पटाखा दुकानों की जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तहसील इटारसी क्षेत्र में संचालित समस्त पटाखा दुकानों एवं पटाखा संग्रहण स्थलों की जांच हेतु राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान बस स्टैंड के समीप गुरुद्वारा परिसर स्थित एक पटाखा दुकान का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान दुकान में पटाखा एवं बारूद संबंधी सामग्री रखी हुई पाई गई। मौके पर दुकानदार अनुपस्थित मिला तथा दुकान का संचालन लगभग 17 वर्षीय नाबालिग बालक द्वारा किया जाना पाया गया। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि दुकान में रखा अग्निशामक यंत्र बंद अवस्था में था तथा उसकी वैधता अवधि समाप्त हो चुकी थी, जो सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी है। संयुक्त टीम द्वारा सुरक्षा नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पटाखा दुकान को तत्काल प्रभाव से सील कर बंद कराया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), एसडीओपी पुलिस, तहसीलदार एवं संबंधित पटवारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के निदेशक द्वारा वीसी के माध्यम से की गई समीक्षा

रायसेन (निप्र)। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के मिशन डायरेक्टर द्वारा शुक्रवार को वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जल जीवन मिशन 2.0 एवं स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत विभिन्न कार्यों एवं प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गिरीश काम्बले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस में जल जीवन मिशन अंतर्गत योजनाओं के क्रियान्वयन, लक्ष्य पूर्ति, गुणवत्ता नियंत्रण, वित्तीय प्रगति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनि[illegible] हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

D11024/26

44 डिग्री तापमान में भी ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने में जुटी हैंडपम्प संधारण टीम

रायसेन (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायसेन की हैंडपम्प संधारण टीम ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार कार्य कर रही है। लगभग 44 डिग्री तापमान में भी विभाग द्वारा गठित टीम गांव-गांव पहुंचकर खराब पड़े हैंडपम्पों का सुधार कार्य कर रही है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री गिरीश काम्बले ने बताया कि संधारण दल द्वारा खराब हैंडपंपों की मरम्मत, पाइप बदलने, लीकेज सुधारने एवं तकनीकी खराबियों को दूर करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। टीम का उद्देश्य गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट उत्पन्न न होने देना है। ग्रामीणों ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तेज गर्मी के बावजूद कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। इससे गांवों में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनी हुई है और लोगों को राहत मिल रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री काम्बले ने बताया कि जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है तथा जहां से भी हैंडपंप खराब होने की सूचना प्राप्त होती है, वहां तत्काल संधारण टीम भेजकर सुधार कार्य कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा संवेदनशील गांवों की सूची तैयार कर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जिन क्षेत्रों में जलस्तर नीचे चला गया है वहां ग्रामीणों से पानी का सीमित एवं आवश्यक उपयोग करने की अपील की गई है। विभाग का कहना है कि ग्रीष्म ऋतु समाप्त होने तक हैंडपम्प संधारण अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनी रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में NCORD की बैठक आयोजित

नशा मुक्ति के लिए कड़ी निगरानी और प्रभावी कार्रवाई की जाए

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर समिति (ह्ष्ह्रक्रष्ठ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने नशा उन्मूलन एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण को लेकर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को नशे की प्रवृत्ति से बचाना प्रशासन का उद्देश्य है। इसके लिए तस्करों और अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ समाज में जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूल-कॉलेजों में नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिले में संवेदनशील स्थानों पर सतत् निगरानी रखी जाए। उन्हांने डीएफओ को जिले में अफीम, भांग आदि मादक फसलों की अवैध खेती पर कड़ी निगरानी रखने तथा ऐसी गतिविधियों को तुरंत चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिला आबकारी अधिकारी को मादक पदार्थों का पता लगाने और कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने नशे के रूप दवाओं के उपयोग को रोकने के लिये मेडिकल स्टोर्स से बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं का विक्रय नहीं करने और समय समय पर मेडिकल स्टोर्स की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी तथा सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक को स्कूलों और कॉलेजों में नशीली दवाओं के उपयोग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाने और जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को नशा पीड़ितों के उपचार और परामर्श सेवाओं को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि प्रशासन, पुलिस और समाज के संयुक्त प्रयास से ही नशामुक्त जिला बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। बैठक में सभी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में डीएफओ श्रीमती अर्चना पटेल सहित पुलिस, वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती सफलता की नयी दिशा

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के विकासखंड गंज बासौदा के ग्राम सुमेर दांगी निवासी सुमित्रा बाई ने अपनी जमीन पर प्राकृतिक तरीके से खेती शुरू की। उन्होंने जीवामृत, बीजामृत जैसी प्राकृतिक दवाओं का उपयोग करके अपनी फसलों की गुणवत्ता में सुधार किया साथ ही उनकी लागत काफी कम हुई। श्रीमती सुमित्रा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समुंह में सचिव के पद पर कार्यरत हैं तथा कृषि विभाग, आत्मा परियोजना के माध्यम से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत कृषि सखी के रूप में भी चयनित हैं।

उन्होंने अपने खेत में मूंग, गेहुं सहित विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों जैसे लौकी, टमाटर आदि प्राकृतिक विधि से उत्पादन कर रही हैं। उनके पास पर्याप्त सिंचाई साधन के रूप मे एक कुआं व बोर उपलब्ध है। श्रीमती सुमित्रा के पास 3 गाय हैं जिनसे प्राप्त गोबर का उपयोग बह जैविक दवा बनाने एवं गोबर की खाद बनाने में करती है। वह स्वयं तो प्राकृतिक तरीके से खेती कर ही रहीं है साथ ही अन्य किसानो को भी प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहीं हैं। उन्होंने जीवामृत और बीजामृत जैसी प्राकृतिक दवाओं का उपयोग करके अपनी फसलों को स्वस्थ और मजबूत बनाया। उन्होंने घर पर ही इन दवाओं का निर्माण शुरू किया, जिससे उन्हें लागत भी काफी कम हुई।

किसानों के लिए एक प्रेरणा श्रोत

श्रीमती सुमित्रा की कहानी से पता चलता है कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे किसानों को भी आर्थिक लाभ हो सकता है। की कहानी से प्रेरणा लेकर अन्य किसान भी प्राकृतिक दवायें घर पर तैयार करके अपनी लागत कम कर सकते हैं और फसलों की गुणवत्ता बड़ा सकते हैं। इनकी कहानी प्रेरणादायक है और अन्य किसानों के लिए एक उदाहरण के रूप में काम कर सकती है। उनकी मेहनत, समर्पण, और प्राकृतिक खेती के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें सफलता दिलाई है।

3.5 करोड़ की शासकीय भूमि कराई गई मुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशों के पालन में प्राप्त शिकायत के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा नगर नर्मदापुरम के भीलपुरा क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नजूल भूमि, नजूल शीट क्रमांक-09, प्लॉट क्रमांक-1, रकबा 59493 वर्गफुट शासकीय भूमि पर सचिन रैकवार पिता पूरनलाल रैकवार निवासी वार्ड क्रमांक-26 रेवागंज द्वारा ईंट भट्ठा संचालित कर लगभग 30,000 वर्गफुट भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। नायब तहसीलदार नर्मदापुरम नगर, नायब तहसीलदार नजूल एवं राजस्व निरीक्षक की उपस्थिति में उक्त अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। राजस्व विभाग के अनुसार उक्त कार्रवाई में लगभग 3.5 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बोले

समय पर हों आमजन के काम, न लगाना पड़े दफ्तरों चक्कर

- ▸▸ नागरिकों से करें शिष्टतापूर्ण व्यवहार, सुशासन की भावना को करें मजबूत - कलेक्टर
- ▸▸ कलेक्टर ने बुधनी एवं शाहगंज तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण
- ▸▸ जनगणना, स्वच्छता सर्वेक्षण एवं राजस्व संबंधी कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बुधनी एवं शाहगंज तहसील कार्यालयों का निरीक्षण कर प्रशासनिक एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनगणना 2027 के प्रथम चरण के कार्य की प्रगति, स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान, राजस्व प्रकरणों के निराकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना प्रशासन का दायित्व है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालयों में अभिलेखों के संधारण, रिकॉर्ड व्यवस्था, नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं तथा कार्यालयीन कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं तथा आमजन को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें।

राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा : कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, ऋण पुस्तिका सुधार, नक्शा संशोधन, अतिक्रमण संबंधी प्रकरणों तथा अन्य लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए और लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र समाधान किया जाए।

रेलवे एवं नेशनल हाईवे परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाने के निर्देश

नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए चल रही भू-अर्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का त्वरित निराकरण किया जाए और प्रभावित किसानों एवं हितग्राहियों से समन्वय बनाकर प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं रेलवे परियोजनाएं क्षेत्र के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा इनके पूर्ण होने से नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधाएं, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए इन परियोजनाओं में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई, रिकॉर्ड रूम की व्यवस्था, पेयजल एवं नागरिक सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया।

गांव मानपुर में पक्षियों के बांधे परिंडे

प्रकृति और जीवों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है- रोहित गुर्जर

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। आज ग्राम मानपुर में भीषण गर्मी के बीच पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर मानवता और प्रकृति प्रेम की अनूठी मिसाल पेश की गई। मानपुर बना मानवता, योग और प्रकृति सेवा का प्रेरणास्रोत कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5 बजे बाबू महाराज जी के मंदिर से हुआ, जहां सबसे पहले योगाचार्य राजेश आर्य गुर्जर द्वारा लगभग डेढ़ घंटे तक योग करवाया गया। उन्होंने ग्रामीणों को नियमित योग के महत्व बताते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि निरोग जीवन का सबसे बड़ा आधार है। नियमित योग से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन ऊर्जावान बनता है। योग के पश्चात गांव के युवाओं एवं बुजुर्गों ने मिलकर पक्षियों के लिए प्रेम और सेवा भाव से परिंडे तैयार किए। इसके बाद गांव के बाबू महाराज मंदिर, बालाजी मंदिर, महादेव मंदिर, चामुंडा माता मंदिर, भागीरथ बाबा, सिद्ध बाबा सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे बांधे गए तथा प्रतिदिन उनमें पानी भरने का संकल्प लिया गया। रोहित गुर्जर मानपुर ने बताया कि भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। गांव के युवाओं एवं बुजुर्गों ने मिलकर प्रतिदिन परिंडों में पानी भरने का संकल्प लिया है, ताकि कोई भी पक्षी प्यासा न रहे। कार्यक्रम में डॉ. मुन्ना बैसला, रामजीलाल भगत जी, वकील सिंह, उदयभान, योगेंद्र अध्यापक, डॉ. भवुति बैसला, ऋषिकेश अध्यापक, शिवराम पुलिस, गोविंदा, रविंद्र सिंह, रामजीलाल, राजवीर, शिवसिंह फौजी, कल्ला बैसला, अमन बैसला सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक के आवेदन की अंतिम तिथि 26 तक

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। बाड़ी उपखंड के राजकीय महाविद्यालय व राजकीय कन्या महाविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के ऑनलाइन प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 26 मई कर दी गई है। नोडल अधिकारी गुमान सिंह मीणा ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए यह बदलाव किया गया है। अंतिम वरीयता सूची और प्रतीक्षा सूची 30 मई को जारी होगी। प्रथम वरीयता सूची 8 जून को प्रकाशित होगी। प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का वर्ग निर्धारण और विषय आवंटन 9 जून को किया जाएगा।

ब्रजेश महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में कैंप का हुआ समापन

धालपुर। बाड़ा शहर म शिक्षक प्राशक्षण महाविद्यालय में पांच दिवसीय स्वच्छ समाजोपयोगी कार्य एवं समाज सेवा शिविर का समापन रंगारंग महोत्सव के साथ संपन्न किया गया। पांच दिवसीय इस शिविर में कार्यक्रम निर्देशक रामू लवानिया एवं प्रवक्ता प्रियंका पाराशर के निर्देशन में रंगोली, मेहंदी , निबंध, वाद विवाद एवं अन्य खेलकूद प्रतियोगिता के साथ किया गया । शिविर के इस अवसर पर छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के लिए प्राचार्य डॉ राजीव जैन एवं निदेशक महेश पाराशर ने अपने स्टाफ के साथ प्रशिक्षणार्थी छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित कर उनकी विभिन्न समस्याओं का सारगर्भित समाधान कर उन्हें भविष्य के प्रति एवं जागरूक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया । इस अवसर पर कॉलेज संचालक विश्वास

पाराशर , स्टाफ की ओर से कदीर खान , गौरव शर्मा , जितेंद्र दीक्षित, मनीष अवस्थी, मीनू पाराशर , डॉ निरमा मंगल आदि उपस्थित रहे । समापन समारोह के अवसर पर वरिष्ठ प्रथम व द्वितीय वर्ष की समस्त छात्राएं उपस्थित रही एवं अपना सहयोग प्रदान किया।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने जिले के पुलिस अधिकारियों की क्राइम मीटिंग लेकर की लंबित प्रकरणों एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, वांछित अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। अपराध गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ प्रकोष्ठ हवा सिंह सहित जिले के समस्त वृताधिकारी एवं थानाधिकारीगण रहे उपस्थित। धौलपुर कल देर शाम पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के सभी वृताधिकारी एवं थानाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी में बैठक में जिले की कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। क्राइम मीटिंग शाम 4:00 बजे शुरू होकर मैराथन 4 घंटे से अधिक चली। इस दौरान लंबित प्रकरणों की थाना वाइज समीक्षा कर सभी पुलिस अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण करने के विशेष तौर पर निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने 5 वर्ष व एक वर्ष से अधिक समय अवधि के लंबित प्रकरणों, 193(9) बीएनएसएस के तहत पैंडिंग प्रकरणों, दुष्कर्म के 02 माह से पैंडिंग प्रकरणों, एससी/एसटी एवं पोक्सो के दो माह से लंबित प्रकरणों, लोकसेवको पर हमले के पैंडिंग प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हत्या, डकैती, लूट, दुष्कर्म के अनट्रेस प्रकरणों के शीघ्र खुलासे के सम्बन्ध में केस वाइज समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए कालिका पैट्रोलिंग यूनिट व एंटी रोमियो स्कॉड की कार्रवाई की समीक्षा की। इसके साथ ही आदतन बदमाशों के साथ सख्ती बरतने उनकी निगरानी रखने तथा आदतन अपराधियों को चिन्हित कर नई हिस्ट्रीशीट ओपन करवाने के लिए कार्य करने, चोरी, नकबजनी जैसे अपराधों पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाने की बात कही। अवैध मादक पदार्थ के परिवहन की रोकथाम करने, यातायात एवं सड़क दुर्घटना मे निरन्तर कमी लाने, बीट क्षेत्र पर सतत निगरानी रखने, लंबित मामलों एव मालखाना के माल का निस्तारण अतिशीघ्र करने, निरन्तर गश्त करने एवं बदमाशों की निगरानी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय, रेंज व जिला स्तर से चलायें जा रहे विशेष अभियानों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने ई साक्ष्य, ई सम्मन, ई एफआईआर, अपराधियों के फिंगर प्रिंट लेने, प्रकरणो में चालान एफ आर की स्थिति, केस आफिसर स्कीम में चयनित केसों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे अपराधियों एवं न्यायालय से घोषित वारंटीयों की गिरफ्तारी पर विशेष ध्यान देकर थानों के माध्यम से अधिक कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। नये कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में और अधिक बेहतर प्रयास करने पर जोर दिया गया है। सभी पुलिस अधिकारियों को अपने अपने इलाकों में प्रभावी गश्त व नाकाबंदी कर अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की धरपकड़ करने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्रतिबंधित चम्बल बजरी खनन व परिवहन की पूर्णतः रोकथाम एवं निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ प्रकोष्ठ हवा सिंह, वृताधिकारी वृत्त सैंपऊ अनूप सिंह, वृताधिकारी वृत्त बाड़ी महेन्द्र कुमार व वृताधिकारी वृत्त सरमथुरा नरेन्द्र मीणा सहित जिले के सभी थानों के थानाधिकारी गण उपस्थित रहें।

फिट इंडिया मिशन के तहत जिले में जिला पुलिस एवं 6 वीं बटालियन आरएसी द्वारा संयुक्त रूप से 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का किया सफल आयोजन

पलिस और आमजन ने मिलकर दिया फिटनेस का संदेश'फिटनेस की? डोज, आधा घंटा रोज

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। धौलपुर जिला पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में फिट इंडिया मिशन के अन्तर्गत आज 'संडे ऑन साइकिल' अभियान पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के नेतृत्व में जिला पुलिस एवं 6 वीं बटालियन आरएसी धौलपुर द्वारा संयुक्त रूप से आज धौलपुर रिजर्व पुलिस लाइन में सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ हवा सिंह व डिप्टी कमांडेंट आर ए सी धौलपुर सुरेश सांखला ने शामिल होकर सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियो और आम नागरिकों ने मिलकर योग, जुम्बा एवं स्किपिंग और साइकिलिंग की, जिसका उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच आपसी समन्वय को बढ़ाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6:30 बजे रिजर्व पुलिस लाइन धौलपुर में सामूहिक योग सेशन के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, उनके परिवार के सदस्य और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। तत्पश्चात प्रातः 7:15 से 7:45 बजे तक जुम्बा एवं स्किपिंग का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया।तत्पयश्चातत सुबह 8:00 बजे से जिला कलक्टर जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने पुलिस लाइन से 6 वीं बटालियन आरएसी धौलपुर तक साईक्लिंग रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल रैली रिजर्व पुलिस लाइन से शुरू होकर जगदीश टाकीज, गुलाब होते हुए 6 वीं बटालियन आरएसी धौलपुर पर संपन्न हुई। इस रैली में पुलिस, त्रष्ट बल के साथ-साथ स्कूल-कॉलेज के छात्रों, एनसीसी और स्काउट के सदस्यों, सीएलजी सदस्यों, सुरक्षा सखी, और अन्य सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल से 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' का नारा सार्थक होता दिखा। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस ने इस सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साह और सक्रिय सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि साइक्लिंग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह समाज और पुलिस के बीच आपसी समन्वय को भी मजबूत करता है।इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल नागरिकों में स्वास्थ्य, अनुशासन और जागरूकता को बढ़ावा देते है बल्कि पुलिस और समाज के बीच के रिश्ते को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ हवा सिंह व डिप्टी कमांडेंट आर ए सी धौलपुर सुरेश सांखला, उप पुलिस अधीक्षक एससी-एसटी सेल धौलपुर रामधन सहित कई थानों के थानाधिकारीगण, पुलिस व आर ए सी के अधिकारी एवं जवान बड़ी संख्या में शामिल रहें।

राजाखेड़ा में जली केबलें बदलीं, ट्रांसफॉर्मरों की कराई मेंटेनेंस, बिजली चोरी पर 21 वीसीआर भरकर 8 लाख का जुर्माना लगा कर चलाया ऑपरेशन थंडर वोल्ट

भारतमत संवाददाता

धौलपुर/राजाखेड़ा। आज दिनांक 24/05/2026 दिन रविवार को जेवीवीएनएल धौलपुर के अधीक्षण अभियंता विवेक शर्मा के आदेशानुसार उपखंड सहायक अभियंता आनंद तिवारी के निर्देशन में कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा द्वारा राजाखेड़ा कस्बे में विद्युत व्यवस्था सुधार अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर की खराब एवं पुरानी हो चुकी विद्युत केबलों को बदलवाया गया। साथ ही ट्रांसफॉर्मरों के आसपास उगी झाड़ियों को कटवाकर साफ-सफाई कराई गई ताकि आग लगने जैसी घटनाओं से बचाव किया जा सके। इसके अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मरों की ब्रांचिंग व्यवस्था को भी दुरुस्त कराया गया तथा नई केबलें डलवाई गईं। बताया गया कि पिछले कुछ दिनों से अत्यधिक तापमान एवं बढ़े हुए लोड के कारण

शहर के कई मोहल्लों में बार-बार केबल जलने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही थी। इस पर उच्चाधिकारियों के निर्देशन में संबंधित स्थानों पर उच्च क्षमता वाली नई केबलें डलवाकर विद्युत आपूर्ति को पुनः निर्बाध रूप से बहाल किया गया। वहीं बढ़ते विद्युत लोड एवं बिजली चोरी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग द्वारा रात्रिकालीन विजिलेंस चैकिंग अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा ने शहर क्षेत्र में 21 वीसीआर भरते हुए करीब 8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अधिकारियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि डायरेक्ट कटिया डालकर विद्युत चोरी करना कानूनन अपराध है। इससे विभाग को आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही करंट लगने से जानलेवा हादसे भी हो सकते हैं। इसलिए आमजन विद्युत चोरी से बचें एवं सुरक्षित तरीके से अधिकृत विद्युत कनेक्शन का ही उपयोग करें।

राजाखेड़ा कस्बे मैं पूर्व विधायक मनोरमा सिंह की कोठी के सामने मोबाइल रिपेयरिंग दुकान में लगी आग

दुकान में रखे मोबाइल पार्ट्स, मशीनें जलकर खाक, लाखों का हुआ नुकसान

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। धौलपुर राजाखेड़ा कस्बे के पूर्व विधायक मनोरमा सिंह की कोठी के सामने बाजार में एक मोबाइल रिपेयरिंग दुकान में आग लग गई। आग शनिवार रात्रि करीब 12 बजे की बताई जा रही है। आग से दुकान में रखे लाखों रुपये के मोबाइल रिपेयरिंग पार्ट्स, कीमती मशीनें और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। आग की सूचना विजय सिंह उर्फ़ बॉबी जादौन द्वारा फायरमैन पप्पू गुर्जर को सूचान दी गई। पप्पू गुर्जर के नेतृत्व में फायर ब्रिगेड चालक डाल सिंह एवं फायरमैन

राजकुमार, कुलदीप के साथ मौके पर पहुंचे जब तक आग ने रोद्र रूप धारण कर लिया गया था फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर करीबन 2 घंटे की बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और व्यापारियों ने राहत की सांस ली। व्यापारियों ने दी जानकारी व्यापारियों के अनुसार घटना में करीब 20 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। रामगोपाल निवासी देवदास का पुरा बताया गया हैं, रात्रि करीब 12 बजे, पास की लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे एक परिचित ने रामगोपाल को फोन पर सूचना दी कि उनकी दुकान से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही रामगोपाल तुरंत बाइक से बाजार की ओर दौड़े। दुकान पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि शटर से आग की लपटें निकल रही थीं।

गंगा दशहरा पर जिले में शुरू होगा वन्दे गंगा जल संरक्षण अभियान मचकुंड पर होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

कलश यात्रा, पीपल पूजन और सफाई अभियान से दिया जाएगा जल संरक्षण का संदेश

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का प्रारंभ 25 मई गंगा दशहरा से किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, जनसहभागिता से स्वच्छता तथा जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत 25 मई से 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सोमवार 25 मई गंगा दशहरा को सायं 4 बजे मचकुंड धाम धौलपुर पर किया जाएगा। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि जिले में विभिन्न जल स्त्रोत व संरचनाओं पर जलपूजन किया जाएगा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में अधिक से अधिक संख्या में जन सामान्य को घर-घर निमंत्रण देकर कार्यक्रम के सम्बन्ध में जानकारी एवं परंपरागत जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जल पूजन, कलश यात्रा, पीपल पूजन, जल स्त्रोतों की सफाई, जन जागरूकता रैली एवं शपथ ग्रहण समारोह जैसी

गतिविधियां शामिल होंगी। स्थानीय निवासियों जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, राजीविका संगठन, शिक्षा एवं महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से इन कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। विभाग बनेंगे सहभागी, सौंपी जिम्मेदारी जिला स्तरीय इस अभियान को सफल बनाने के लिए विभागों को जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें वन विभाग की ओर से हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण की तैयारियों हेतु गड्ढे खोदने, स्टैगर्ड ट्रेंचेज एवं मृदा कार्य किया जाएगा। जन स्वास्थ्य और भू-जल विभाग जल स्त्रोतों की सफाई एवं मरम्मत के साथ-साथ रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण भामाशाहों व प्रवासी राजस्थानियों की मदद से करवाए जाएंगे। इस अभियान के तहत जिले में अमृत सरोवर, तालाब एवं परम्परागत जल स्त्रोत का जीर्णोद्धार, चारागाह विकास, पंचायत नर्सरी, फल वाटिका, मियांवाकी वृक्षारोपण से सम्बन्धित कार्यों को शामिल किया जाएगा।

सरोवरों पर चलेगा सफाई अभियान

जिले में स्थित जल स्त्रोतों जैसे तालाबों, झीलों और बावड़ियों की सफाई, जलकुंभी हटाना और संरक्षण कार्य किया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से अमृत सरोवरों, पारंपरिक तालाबों और पंचायत नर्सरी क्षेत्रों में जीर्णोद्धार व पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान न केवल जल संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम सिद्ध होगा, बल्कि समाज को जल की महत्ता का संदेश भी देगा।

जल संरक्षण व सफाई अभियान चलेगा

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ ने बताया कि गंगा दशहरा पर राज्य सरकार ने जल संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए है। जिसके तहत विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान 25 मई गंगा दशहरा को शुरू होगा और 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक चलेगा। इस दौरान जल संरक्षण व स्वच्छता का संदेश देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आमजन को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से भागीदार बनाया जाएगा।

बॉबी जगरिया बने डीग प्रभारी अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। धौलपुर जिले मै आज कांग्रेस सेवा दल की घोषणा हुई श्री लाल देसाई की एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत की मंशा के अनुसार एवं जॉन प्रभारी राजेंद्र सिंह अडवाना एवं संभाग प्रभारी आर पी मीना की अनुशंसा पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल वरिष्ठ पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद जगरिया बॉबी पचगांव धौलपुर को उनकी पार्टी और संगठन के प्रति सक्रियता व मेहनत ईमानदारी और वफादारी को देखते हुए जिला डीग का प्रभारी बनाया गया बॉबी जगरिया ने कहा शीर्ष नेतृत्व ने मेरे ऊपर जो विश्वास किया है मैं उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाऊंगा बॉबी जगरिया ने सभी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल का आभार प्रकट किया इससे सभी जिले के कांग्रेसीजनों एवं गांव वालों में खुशी की बड़ी लहर है।

साइबर ठगी करते हुए दो आरोपी गिरफ्तार दो एंड्राइड मोबाइल और दो फर्जी सिम जप्त

भारतमत संवाददाता

डांग। एस पी शरण गोपीनाथ के द्वारा डांग जिले में साइबर ठगों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन एण्टीवायरस के अंतर्गत डांग जिले की खोह थाना पुलिस ने एडिशनल एसपी अखिलेश शर्मा और सीओ सीता राम बैरवा के निर्देशन में 2 सायबर ठगो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 एंड्रॉयड मोबाईल फोन और 2 फर्जी सिमकार्ड के जप्त किए है। खोह थाना प्रभारी शिव लहरी मीणा के अनुसार एएसआई नाहरसिंह ने मय जाप्ता के मुखबिर की सूचना पर गांव जीवनवास पहाड की तलहटी में दबिश देकर साईबर ठगी करते हुए मोबाईल उर्फ राशिम 23 वर्ष पुत्र शरीफ मेव निवासी डिगचौली थाना खोह जिला डीग तथा मुकीम 19 वर्ष पुत्र रूस्तम मेव निवासी लाडलाका थाना जुरहरा जिला डीग साइबर ठगी करते हुए गिरफ्तार किया है।

देवदासपुरा में आंगनवाड़ी भवन लोकार्पण के दौरान नीरजा शर्मा का विपक्ष पर बड़ा हमला,बोलीं.

विकास रोकने वालों को जनता उखाड़ फेंकेगी

भारतमत संवाददाता

धौलपुर। धौलपुर जिले की भाजपा नेत्री नीरजा शर्मा ने रविवार को राजाखेड़ा क्षेत्र के दौरे के दौरान अपने राजनीतिक विरोधियों पर जमकर निशाना साधा।पंचायत समिति राजाखेड़ा की ग्राम पंचायत सिंघावली कला के गांव देवदासपुरा में नवनिर्मित आंगनवाड़ी केंद्र भवन के लोकार्पण अवसर पर आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि क्षेत्र में वर्षों तक कुछ नेताओं ने केवल झूठे वादे किए,भाई को भाई से लड़ाया,जातीय राजनीति कर समाज को बांटने का काम किया और विकास के नाम पर जनता को गुमराह किया।लेकिन अब जनता जाग चुकी है और विकास में बाधा बनने वालों को जवाब देने के लिए तैयार बैठी है।भाजपा नेत्री ने फीता काटकर आंगनवाड़ी भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की कर्मचारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने फूलमालाओं,तिलक और पुष्पवर्षा के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।सभा को संबोधित करते हुए नीरजा शर्मा ने कहा कि नौनिहालों का मानसिक और शारीरिक

विकास ही समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि नए भवन के बनने से अब गांव के छोटे बच्चों को बेहतर वातावरण, पोषण और शिक्षा की सुविधाएं मिल सकेंगी,जिससे उनका सर्वांगीण विकास होगा।नेत्री शर्मा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है,और बीते ढाई वर्षों में अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए गए हैं।उन्होंने अपने विरोधियों पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग केवल थाना-तहसील की राजनीति कर लोगों की भावनाओं से खेलते रहे, लेकिन अब समय बदल चुका है। जनता विकास चाहती है और अब ऐसे नेताओं को पहचान चुकी है जो वर्षों तक केवल भ्रम फैलाकर राजनीति करते रहे।शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के विकास,शिक्षा,सड़क,स्वास्थ्य और युवाओं के भविष्य के लिए वह निरंतर संघर्ष करती रहेंगी और हर सुख-दुख में जनता के साथ खड़ी रहेंगी। शेखपुर में विद्यालय क्रमोन्नति की उठी मांग...इसके बाद भाजपा नेत्री का शेखपुर ब्राह्मण गांव में ग्रामीणों द्वारा स्वागत-सम्मान किया गया। यहां ग्रामीणों ने राजकीय विद्यालय को कक्षा 8 से बढ़ाकर 12वीं तक क्रमोन्नत करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। लेकिन उच्च माध्यमिक विद्यालय नहीं होने से बच्चों को दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता है।इस पर शर्मा ने विद्यालय क्रमोन्नति के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में मंगल सिंह निषाद, खुशीलाल निषाद, सतनाम निषाद, रमेश निषाद, ब्रजराज निषाद, रामसेवक निषाद, होतम सिंह, उदय सिंह निषाद, देवेंद्र मुद्गल, जगराम निषाद, रामनिवास निषाद, विपिन तोमर, कपूर चंद, रामखिलाड़ी पाराशर, करन सिंह तोमर, रविशंकर, बालू सिंह, विनोद तोमर, विनोद शर्मा,अशरफी सिंह,राजू तिवारी,रणबीर गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

'तुम्बाड' के दूसरे पार्ट में होगा आलिया भट्ट का कैमियो, तीसरे भाग में निभाएंगी लीड रोल

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टाराकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है। आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी और

इस दिन रिलीज होगी 'तुम्बाड 2'

वहीं, आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'तुम्बाड 2' पहले पार्ट की रहस्यमयी और डरावनी कहानी को आगे बढ़ाएगी। फिल्म में हस्तर की श्रापित दुनिया और उससे जुड़े खतरनाक रहस्यों को और गहराई से दिखाया जाएगा। हाल ही में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। 'तुम्बाड 2' 3 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी।

ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।''

उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

'पैट्रियट' के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे फहद फासिल

मलयालम सिनेमा में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रसिद्ध मशहूर अभिनेता फहद फासिल निर्देशक सी. प्रेम कुमार की अगली फिल्म में नजर आएंगे। फहद फासिल अब मशहूर डायरेक्टर सी. प्रेम कुमार की नई फिल्म में मुख्य भूमिका में काम करेंगे। यह दोनों की साथ में पहली फिल्म है। फहद के साथ इस फिल्म में शिवदा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शिवदा को हाल ही में सूर्या की फिल्म 'कुरुप्पु' में देखा गया था। आज फहद की इस फिल्म का एक खास वीडियो एक्स पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म की पूरी यूनिट मौजूद रही। फहद को आखिरी बार फिल्म 'पैट्रियट' में देखा गया था, जिसमें ममूटी और मोहनलाल भी मुख्य भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्देशन महेश नारायण ने किया था। फिल्म में कुंचाको बोबन, नयनतारा, रेवती, दर्शना राजेंद्रन और राजीव मेनन भी थे। इसका संगीत सुशिन श्याम ने तैयार किया था।

नीतू कपूर के कमबैक से खुद को जोड़ पाती हूं, महिलाओं को मिलनी चाहिए ऐसी हिम्मत

अभिनेत्री रुबीना दिलैक कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती नजर आती हैं। नीतू कपूर की फिल्मों में वापसी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वह एक महिला, मां और कामकाजी व्यक्ति के रूप में नीतू कपूर की इस यात्रा से खुद को गहराई से जोड़ पाती हैं। रुबीना ने खास बातचीत में नीतू कपूर की हिम्मत और साहस की सराहना की। उन्होंने बताया, 'मैं नीतू कपूर से पूरी तरह से खुद को जोड़ पाती हूं। बेशक, वह सुंदरता और ताकत की मिसाल हैं और हमने सालों से यह देखा है।' नीतू कपूर ने पति ऋषि कपूर के निधन के बाद दशकों बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी की है। रुबीना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को ठीक इसी तरह आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को बिल्कुल इसी तरह आगे आना चाहिए, एक मिसाल कायम करनी चाहिए और उन दूसरी महिलाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए जिन्हें अभी भी इस बात का भरोसा नहीं है कि मां बनने के बाद या जीवन में आए बदलाव के बाद उन्हें काम पर वापस लौटना चाहिए या नहीं।' रुबीना ने नीतू कपूर की उस बात का भी जिक्र किया जिसमें नीतू ने कहा था कि उनकी वापसी सिर्फ काम के लिए नहीं बल्कि यह देखने के लिए भी थी कि इतने सालों बाद भी कैमरे के सामने आत्मविश्वास और हिम्मत बाकी है या नहीं। रुबीना इसे बेहद प्रेरणादायक मानती हैं। रुबीना ने अपने पति अभिनव शुक्ला की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि अभिनव घर पर रहकर बच्चों की देखभाल कर रहे हैं ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। रुबीना ने कहा, 'एक पुरुष के लिए अपने ईगो को किनारे रखकर यह कहना कि 'मैं घर पर रहूंगा, तुम जाओ और अपने सपनों को पूरा करो' इसके लिए बहुत हिम्मत चाहिए। अभिनव जानते हैं कि मैं अपने काम से कितना प्यार करती हूं।'

फिल्मों के चयन को लेकर सलमान खान का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। सलमान ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर और यादगार फिल्में दी हैं। अपने लगभग चार दशक लंबे करियर में सलमान ने लगभग 88 फिल्मों में काम किया है। अब सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। सुपरस्टार ने बताया कि वो किस तरह अपनी फिल्मों का चुनाव करते हैं। अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों में पहने हुए देखे जाते हैं। पिछले कुछ साल में सलमान ने कई बार महंगी घड़ियां पहनकर सबका ध्यान खींचा है। इनमें से कई की कीमत कथित तौर पर 1 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इस पर बात करते हुए अब अभिनेता ने कहा कि आप मुझे घड़ियां पहने हुए देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि वे घड़ियां मेरी हैं। वे मेरे दोस्त की हैं।

इस तरह से फिल्में चुनते हैं सलमान

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सलमान खान ने अपने जीवन और करियर के कई पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। इस बातचीत के दौरान सलमान ने अपनी फिल्मों के चयन की प्रक्रिया के बारे में एक बड़ा खुलासा किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन मैंने उन्हें कभी पढ़ा नहीं। सलमान ने कहा कि मैं स्क्रिप्ट को शुरू से लेकर आखिर तक पढ़ने की बजाय, उसके भाव, ट्रीटमेंट और कमर्शियल अपील को समझना पसंद करता हूं।

दोस्त की घड़ियां पहनते हैं सलमान

बातचीत के दौरान सलमान उन महंगी घड़ियों के बारे में लगातार हो रही चर्चा पर भी बात करते नजर आए, जिन्हें वे

सलमान की पाइपलाइन में बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आएंगे। पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अब कई बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसी वजह से फिल्म की रिलीज आगे बढ़ी है। फिल्म का नाम भी 'बैटल ऑफ गलवां' बदलकर अब 'मातृभूमि' हो गया है। फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट का दर्शकों को अभी भी इंतजार है। इसके अलावा वो नयनतारा के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह फिल्म के अगले साल 2027 की ईद पर रिलीज की जाएगी। सलमान हाल ही में 'राजा शिवाजी' में एक कैमियो में नजर आए थे, जहां उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है।

आठ घंटे की शिफ्ट पर बोलीं श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने सिनेमा, अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' और अभिनय के शुरुआती दौर के किस्से साझा किए।

नई सोच को अगर डिफाइन करोगे तो कितना बदलाव आया है?

नई सोच में सबसे मुश्किल चीज होती है कि हमारी जो खुद की सोच होती है, उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं जो हमारी सोच को हमारी बनाती है। हम क्या फिल्मे देखते हैं। हम नाटक देखने जाते हैं या नहीं। आर्ट और कल्चर से एजुकेशन से जब हम खुद को जोडते हैं तो ये सब चीजें हमें बहुत प्रभावित करती हैं। मेरा बैकग्राउंड बहुत अकेडमिक है। मेरी सोच बदलती रही और यह बहुत जरूरी है। हमें अपनी सोच को पकड़कर नहीं रखना है। हमें ग्रो करना है। अनुभवों की वजह से मैं हूं। डरिए मत नई सोच से। कोई जबर्दस्ती तो नहीं कह रहा कि यही करना है आपको। एक और चीज मैं कहूंगी कि धैर्य रखिए। सुनिए और समझिए कि सामने वाला क्या कहने की कोशिश कर रहा है।

गोलू के किरदार से लाइफ कितनी बदली?

मिर्जापुर तो लव है हमारा। गोलू और मिर्जापुर अब मेरे साथ नौ साल से है। नौ साल की रिलेशनशिप बहुत सुंदर होती है। इस सफर में क्या-क्या जुड़ा? अली फजल, वो भी लखनऊ से है। मिर्जापुर की जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और पहला एपिसोड पढ़ा तो बहुत मजा आया। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा होना है। गोलू के साथ-साथ मैंने भी बहुत ग्रोथ की है।

मिर्जापुर की फिल्म भी आने वाली है?

हमारी फिल्म लंबी तो होगी। आप क्या कहानी बताना चाहते हो, कितना टाइम चाहिए उसे बताने में। हम एक्टिंग तो उतनी ही करेंगे। लेकिन, सीरीज में आप डूब सकते हो। उसका मजा अलग है। ओटीटी ने राइटर, डायरेक्टर, महिला किरदार, क्रू सदस्यों को बहुत सारे मौके दिए हैं। महिलाओं को अब सिर्फ ब्रैकेट में नहीं डाला जा रहा है। किरदार में अब नए कलर और फ्लेवर हैं।

ओटीटी ने महिलाओं को अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया है?

बदलाव आता है तो बदलाव पूरी इंडस्ट्री में आता है। यहां हम जहां तक पहुंचे हैं, इसमें बहुत सारी औरतों का तो रोल है ही, मेल एक्टर्स का भी बहुत हाथ है। पीछे से कुछ सीखने को है अगर तो वह सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। यह जिम्मेदारी दर्शकों की है। दर्शक जो देखेगा, वही बनेगा। मैं यहां सभी से रिक्वेस्ट करना चाहूंगी कि वैसा कंटेंट देखिए, जिसे आप देखना चाहते हैं।

श्वेता प्रोड्यूसर भी हैं आप। कंटेंट का आइडिया कहां से आया?

सोच की बात है। डर में नहीं रहना चाहिए। डर की वजह से हम अपने परों को काट देते हैं, जिनसे हम उड़ सकते हैं।

कई एक्ट्रेस अब आवाज उठाने लगी हैं कि आठ घंटे ही हमें काम को देने हैं। निर्माता के रूप में आप कैसे देखती हो?

बहुत सारी बातें पहले ही क्लियर कर लेनी चाहिए। अभी एक प्रोजेक्ट है, जहां कई शर्तें हैं। वैनिटी वैन नहीं होगी। फोन की इजाजात नहीं होगी तो पहले ही इन पर बात करो। प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है सब। मैं महिलाओं के केस में यह कह सकती हूं कि बहुत काम करना होता है। प्रोफेशनली भी हम जो वक्त मांग रहे हैं, वह हमारी मेंटल पीस के लिए बहुत जरूरी है। बहुत फॉर ग्रांटेड ले लिया हम लोगों को। वह टाइम का जो हम मांग रहे हैं, सोच-समझकर मांग रहे हैं।

आप थिएटर से भी कैसे जुड़ी रहीं

मैं एक्टर बनना चाहती थी, क्योंकि मैं एक्टर्स को स्टेज पर देखती थी दिल्ली में। मैं लंदन भी गई थी अपनी दोस्त के साथ। वहां हमने परफॉर्मेंस देखी। मेरे पापा ने भी बचपन में कहा था कि जो भी पैसा या टाइम आप खर्च कर रहे हो उसे अनुभवों पर खर्च करो, क्योंकि यह जिंदगी भर साथ रहता है। सही टाइम वो होता है, जब आप किसी चीज को लेकर फैसला ले लो। मेरे माता-पिता बहुत प्रेरित करने वाले हैं। बचपन से ही मुझे बहुत प्रेरित किया गया था, डांस के लिए और ड्रामा के लिए। उन्हें ऐसा लगा होगा कि यह मेरी पर्सनैलिटी में बहुत हेल्पफुल होगा। इसके लिए मेरे पेरेंट्स का शुक्रिया। मैं भी उन चीजों को पकड़े रखी। मैं केजी से स्टेज पर रही हूं। मैं गर्मी की छुट्टियों में भी वर्क शॉप करती थी। लेकिन, ये मत भूलना कि आपने जब शुरू किया तो क्यों शुरू किया? खुद पर कोई प्रेशर मत डालो। लाइफ को एंजॉय करो।

डुमघना में जन सहयोग से तालाब गहरीकरण कार्य का प्रारंभ

जल है तो कल है

भावी पीढ़ियों को बचाना है तो जल बचाएं: सीईओ सूत्रकार

जल गंगा अभियान के तहत ग्रामीणों को दिलाई जल संरक्षण की शपथ

भारतमत संवाददाता, शिवपुरी

जल गंगा अभियान के अंतर्गत दिनांक 25 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत डुमघना के जौरा पर तालाब निर्माण व गहरीकरण कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करैरा हेमंत सूत्रकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उनके साथ सहायक यंत्री मनोज सैनी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अखिल उपाध्याय, उपयंत्री नरोत्तम भिलवारे, कंप्यूटर ऑपरेटर असफाक खान, सरपंच भीकम दीपा परिहार, सचिव प्रीतम सिंह बघेल तथा ग्राम रोजगार सहायक मनीराम जाटव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनसमूह मौजूद रहा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं कलश पूजन के साथ हुआ, जिसके तत्पश्चात जन सहयोग से प्राप्त एक जेसीबी मशीन एवं चार ट्रैक्टरों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर तालाब गहरीकरण के पुनीत कार्य का शंखनाद किया गया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत सूत्रकार ने अत्यंत प्रेरणादायी संदेश दिया कि हम सभी को पानी बचाने का प्रयास पूरी निष्ठा से इसलिए करना चाहिए क्योंकि जब तक पानी है तभी तक इस धरती पर हमारा जीवन संभव है, इसलिए हमें हर समय और हर पल जल के वास्तविक महत्व को समझना होगा और इसे बचाने का भरपूर प्रयास करना होगा ताकि हमारी आने वाली भावी पीढ़ियों को जल संकट के कारण किसी भी तरह का संघर्ष न करना पड़े।

कलेक्टर के आदेशों को ठेंगा: पोहरी में बेखौफ शराब माफिया

सोशल मीडिया पर बाइक से तस्करी का वीडियो वायरल होने के बाद फूटा जनता का आक्रोश

भारतमत संवाददाता, पोहरी

जिला प्रशासन द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान और कलेक्टर अर्पित वर्मा के सख्त तेवरों के बावजूद पोहरी क्षेत्र में अवैध शराब का काला कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। जमीनी हकीकत कलेक्टर के आदेशों को ठेंगा दिखा रही है, जहां शराब माफिया के एजेंट बिना किसी खौफ के मोटरसाइकिलों पर शराब की पेटियां लादकर खुलेआम सप्लाई कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर दिनदहाड़े शराब की तस्करी का एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसने आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। यह वायरल वीडियो अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और इसने प्रशासनिक दावों की पोल खोलकर रख दी है।

अहेरा की महिलाओं की गुहार बेअसर, बस स्टैंड से लेकर कॉलेज तक सज रहीं अवैध महफिलें

पूर्व में अहेरा गांव की आदिवासी महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर गांवों में बढ़ रहे अवैध शराब के जाल को तोड़ने और परिवारों को बर्बादी से बचाने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की थी। इस संवेदनशील मामले पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने उच्च स्तरीय बैठक कर स्कूल, मंदिर, शासकीय कॉलेज, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थलों के आसपास शराब की बिक्री को पूरी तरह प्रतिबंधित करने के कड़े निर्देश दिए थे। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर हालात सुधरने के बजाय और बदतर हो गए हैं। पोहरी के मुख्य बस स्टैंड, शासकीय कार्यालयों के आसपास और कॉलेज मार्ग पर शराब तस्करों ने अपना जाल फैला रखा है, जिससे राहगीरों, यात्रियों और विशेषकर छात्राओं को भारी मानसिक प्रताड़ना और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

गांव-गांव पहुंच रहा जहर, टूट रहे परिवार

इस अवैध कारोबार से सबसे ज्यादा प्रभावित ग्रामीण और आदिवासी अंचल हो रहे हैं, जहां दिन-रात शराब की उपलब्धता के कारण घरेलू हिंसा और आपसी विवादों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय सजग नागरिकों और पीड़ित महिलाओं का साफ कहना है कि रसूखदार शराब माफियाओं को न तो पुलिस का डर है और न ही प्रशासन का कोई खौफ। त्रस्त जनता ने अब आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद आबकारी अमले से लेकर स्थानीय पुलिस तक से जवाब मांगते हुए पोहरी क्षेत्र में तत्काल विशेष सर्चिंग अभियान चलाकर इन माफियाओं को जेल भेजने की पुरजोर मांग की है।

सकल दिगंबर जैन समाज ने निकाली विरोध रैली, संतों की सुरक्षा हेतु पीएम और सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

जैन साध्वी हादसे पर पोहरी में फूटा आक्रोश

निराहार और पैदल विहार करने वाले संतों की सुरक्षा सर्वोपरि, सरकार उठाए ठोस कदम

भारतमत संवाददाता, पोहरी

रीवा में एक सड़क दुर्घटना के दौरान जैन साध्वी की हुई असामयिक और हृदयविदारक मृत्यु के बाद समूचे देश के साथ-साथ अब पोहरी क्षेत्र में भी जैन समाज का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। इस दुखद घटना के विरोध में सोमवार को सकल दिगंबर जैन समाज के बैनर तले समाजजन स्थानीय चंद्रप्रभु जिनालय जैन मंदिर परिसर में एकत्रित हुए, जहां उन्होंने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए वर्तमान सुरक्षा व्यवस्थाओं के प्रति अपनी तीखी नाराजगी दर्ज कराई। इसके पश्चात, जैन समाज के वरिष्ठजनों, महिला मंडल और उत्साही युवा वर्ग सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए एक विशाल विरोध रैली निकाली, जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए सीधे अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय पहुंची ,जहां उन्होंने देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक अति-महत्वपूर्ण ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपकर संत समाज की सुरक्षा को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं।

प्रशासन को सौंपे गए इस प्रभावशाली ज्ञापन में जैन समाज ने पुरजोर शब्दों में मांग की है कि अहिंसा और शांति का संदेश लेकर देश के कोने-कोने में पैदल विहार और निस्वार्थ भ्रमण करने वाले जैन साधु-संतों को तत्काल पर्याप्त और अभेद्य सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी दुखद पुनरावृत्ति को हमेशा के लिए रोका जा सके। समाज के प्रबुद्ध वक्ताओं ने आक्रोशित लहजे में कहा कि रीवा की इस हृदयविदारक घटना ने पूरे जैन समाज को भीतर तक झकझोर कर रख दिया है और अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है, इसलिए सरकार को संतों की सुरक्षा के प्रति अपनी उदासीनता त्याग कर तत्काल प्रभाव से कड़े और जमीनी नियम लागू करने होंगे। उपस्थित जनसमुदाय ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पूज्य संतों के पैदल विहार के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित नहीं किए गए, तो संपूर्ण जैन समाज सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए विवश होगा।

डिग्डौली में पंचायत की अनुमति के बिना सड़क निर्माण पर बबाल

भारतमत संवाददाता, शिवपुरी

शिवपुरी जिले की पोहरी जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत डिग डोली में जन मन योजना के तहत कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। आदिवासी बस्ती में लगभग 2 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, लेकिन ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा और जल्दबाजी में कार्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत द्वारा पूर्व में कराए गए सीसी रोड एवं चेक डेम निर्माण कार्य को भी ठेकेदार द्वारा नुकसान पहुंचाया गया है। आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान पहले से बनी सीसी रोड को उखाड़कर फेंक दिया गया, जिससे सरकारी राशि से कराए गए पुराने कार्य भी प्रभावित हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इसी तरह लापरवाही बरती गई तो भविष्य में सड़क जल्दी खराब हो सकती है और शासन की योजनाओं का लाभ लोगों को सही तरीके से नहीं मिल पाएगा। ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक राजेंद्र भार्गव ने भी निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ठेकेदार पंचायत की अनुमति के बिना ही कार्य कर रहा है। पंचायत से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है। बिना अनुमति के निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी दी गई है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से निर्माण कार्य की जांच कराने और गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो शासन की जन मन योजना में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आदिवासी बस्ती के लोगों को गुणवत्तापूर्ण सड़क

गुस्से में मंच छोड़ उठ गईं नपाध्यक्ष

जल गंगा अभियान कार्यक्रम की शिवपुरी में उड़ीं धज्जियां

भारतमत संवाददाता, शिवपुरी

विगत दिवस शिवपुरी में आयोजित जल गंगा संरक्षण अभियान की प्रशासनिक व्यवस्था के चलते धज्जियां सी उड़ गई। कार्यक्रम इतना नीरस हो गया कि इसमें जनता की सहभागिता तो थी ही नहीं बल्कि प्रशासनिक अधिकारी भी पूरी तरह नियमों का पालन करते नजर नहीं आए। यहां तक की कार्यक्रम में शपथ पढ़ने की व्यवस्था भी दिखाई नहीं दी जिसकी वजह से प्रभारी मंत्री को मोबाइल से ही शपथ कार्यक्रम करना पड़ा। हद तो तब हो गई जब कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों के स्वागत के क्रम में शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा का स्वागत नहीं किया गया और वे भी गुस्से में मंच छोड़ गई।जी हां, विगत दिवस जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शिवपुरी में आयोजित कार्यक्रम में उस समय सभी सकते में आ गए, जब मंच से गुस्से में उठकर नगर की प्रथम नागरिक यानि नपाध्यक्ष गायत्री शर्मा चली गईं। यह एपीसोड भाजपा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव का सीएमओ द्वारा स्वागत करने के दौरान हुआ। नपाध्यक्ष इस बात से नाराज हो गईं कि उनका किसी ने स्वागत नहीं किया। उधर मंच संचालक गिरीश मिश्रा का कहना है कि जब कोई स्वागत करने को तैयार नहीं है, तो मैं क्या करूं। इस घटना से एक बार फिर यह सिद्ध हो गया कि यहां भाजपा जनप्रतिनिधियों में ही आपस में तालमेल नहीं है। जबकि प्रशासनिक अधिकारी भी भाजपा की इस आपसी मनमुटाव वाली नीति का जमकर लाभ उठा रहे हैं।

माता जानकी की जन्मस्थली सीतामढ़ी पुनौरा नेपाल जनकपुर श्रीधाम अयोध्या और चित्रकूट में जानकी सेना ने किये सुंदरकांड

अंतर्राष्ट्रीय जानकी सेना संगठन की नेपाल सुंदरकांड यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न

अगला कदम: जानकी प्रकटोत्सव शासकीय स्तर पर मनाने हेतु मुख्यमंत्री को सौपेंगे ज्ञापन

भारतमत संवाददाता, शिवपुरी

दिनों दिन प्रगति की ओर अग्रसर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय जानकी सेनानी संगठन द्वारा लगातार 698 सुंदरकांड किए जाने का पुनीत कार्य किया है। इस बार अंतर्राष्ट्रीय जानकी सेवा संगठन का कारवां बिहार के सीतामढ़ी माता जानकी की जन्मस्थली से जनकपुर नेपाल से होते हुए श्री धाम अयोध्या और चित्रकूट तक सुंदरकांड करके सफलतापूर्वक वापस लौटा है। संगठन के मीडिया प्रमुख संजय आजाद से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 मई को शिवपुरी से जानकी सेना का 50 सदस्यीय कारवा जो निकला तो सर्वप्रथम 1हजार किलोमीटर की दूरी तय कर दूसरे दिन यानी 20 मई को सीतामढ़ी पुनौरा धाम पहुंचे,जहां पर माता जानकी के जन्म स्थल पर मंदिर प्रबंधन की अनुमति के साथ प्रथम सुंदरकांड किया गया, जानकी सेना का यह 695 वा सुंदरकांड था जिसमें शिवपुरी से 50 लोगों की संख्या थी वहीं क्षेत्रीय धर्म प्रेमी जनों की संख्या हजारों में रही। पुनौरा धाम में नारायण भवन से लेकर जानकी जन्मस्थली मंदिर तक संगठन द्वारा नगर में विश्वशांति यात्रा निकाली गई एवं संगठन सीतामढ़ी इकाई संरक्षक आग्नेय कुमार शामिल हुए जो सीता संवाद संस्था के निदेशक है। यहां पर मंदिर के महंत उत्तराधिकारी रामदास जी द्वारा 930 करोड़ की लागत से बनने वाले जानकी कॉरिडोर का भ्रमण कराया गया और सीता कुंड की परिक्रमा लगाकर वहां से जानकी सैनिकों ने मिट्टी ली। 20 मई को वहीं पर विश्राम के बाद 21 मई की सुबह सीता रसोई में सभी को बाल भोग (नाश्ता) कराया गया। तत्पश्चात जानकी सेनानी का काफिला जनकपुर नेपाल के लिए निकला और जब नेपाल पहुंचे तो बॉर्डर पर ही भारत नेपाल मैत्री संगठन के दीपू जी के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा सभी का स्वागत सत्कार किया गया। यहीं पर अहमदाबाद से फ्लाइट से चलकर पटना पहुंचे संगठन के राष्ट्रीय विस्तारक महामंडलेश्वर श्री पुरुषोत्तम दास जी महाराज के नेतृत्व में नेपाल पुलिस द्वारा पुलिस प्रोटोकॉल दिया गया महाराज श्री द्वारा यहाँ पर जलेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। 21 मई को सुंदरकांड यात्रा जनकपुर पहुंची जहां पर यात्रा में गए सभी जानकी सैनिकों ने दंडवती परिक्रमा कर माता जानकी के दर्शन किये। आपको बता दें कि इतिहास में पहली बार माता जानकी के मंदिर के प्रांगण में सुंदरकांड आयोजन की अनुमति दी गई थी। रात्रि 8 बजे संगठन का 696 वा सुंदरकांड प्रारंभ हुआ और 10 बजे समापन के साथ सभी लोगों ने यहीं पर विश्राम किया। 22 मई को नेपाल से प्रस्थान कर जानकी सैनिकों का काफिला श्रीधाम अयोध्या जी पहुंचा जहां पर रात्रि विश्राम कर 23 मई को कनक भवन के पास बने करुणा निदान भवन में जानकी सैनिकों ने सुबह चाय नाश्ता किया, जहां पर कार्यक्रम के आयोजक रमेश कोठारी जी द्वारा सभी का स्वागत किया गया। यहीं पर भव्य विशाल 697वा सुंदरकांड का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय जानकी सैनिक भी शामिल हुए। श्रीधाम अयोध्या जी के जानकी महल जहां पर प्रभु श्री राम और माता जानकी का विवाह रचाया गया था वहां से भी मिट्टी लाई गई है, 23 मई को ही शाम को चित्रकूट के लिए कारवां प्रस्थान किया जहां पर सभी जानकी सैनिक कौन है गोदावरी में स्नान कर कामतानाथ जी की परिक्रमा लगाई और सविनय श्रद्धा भाव के साथ 698वा सुंदरकांड किया। वहां से भी स्फटिक शिला से मिट्टी लाई गई है इन सभी जगह से मिट्टी को लाने का उद्देश्य बताते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत ने बताया कि शिवपुरी में जल्द ही जानकी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनने जा रहा है उसकी नींव में सर्वप्रथम पूजन मंत्र उच्चारण के साथ इस मिट्टी का उपयोग किया जाएगा जिससे आने वाले भविष्य में माता जानकी प्रभु श्री राम की कृपा सभी पर सदैव बनी रहेगी।

अगले कदम के बारे में राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत ने बताया कि हम जल्द ही अगले संकल्प की ओर बढ़ने वाले हैं हम जानकी सैनिक बड़ी संख्या में मिलकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने की तैयारी कर रहे हैं जिसमें उनसे हमारी मांग रहेगी की माता जानकी प्राकट्य उत्सव प्रदेश स्तर पर शासकीय रूप में मनाने हेतु अनुमति प्रदान करें जिससे प्रतिवर्ष जानकी प्रकट उत्सव मनाया जा सके हमें संपूर्ण विश्वास है कि इससे नारी शक्ति प्रबल होगी जन जागरण प्रबल होगा और हमारे संस्कार भी प्रबल होंगे और इसी दिन जानकी जी के चरित्र चित्रण के बारे में पूरे प्रदेश को बताया जाए। जिसकी पहली शुरुआत मध्य प्रदेश से की जाएगी उसके बाद जानकी सेना संपूर्ण प्रदेशों में जाकर सभी से इसी तरह का ज्ञापन सॉफ्टवेयर जानकी प्रकट उत्सव मनाने की मांग करेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस, कालका 51, सत्यदेव नगर, गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक-अरूण श्रीवास्तव, RNI No. 69560/97, फोन. 0751-4070801, 4071801, Fax 0751-4071801